http://amritkalashtimes.com

अमृत कलश टाइम्स

वर्ष : 18
अंक : 91

प्रयागराज मंगलवार 17 दिसम्बर 2024

पृष्ठः– 4, मूल्यः– एक रुपया

राष्ट्रपति मुर्मु और प्रधानमंत्री मोदी ने विजय दिवस पर शहीदों को किया नमन

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 1971 के युद्ध में पाकिस्तान पर भारत की जीत के नायकों को सोमवार को शविजय दिवसश के अवसर पर श्रद्धांजलि दी। श्रीमती मुर्मु ने सोशल मीडिया मंच 'एक्सश पर लिखा, "मैं विजय दिवस पर उन वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि देती हूं, जिन्होंने 1971 के युद्ध में अदम्य साहस का परिचय देते हुए भारत को विजय दिलाई। कृतज्ञ राष्ट्र हमारे वीरों के सर्वोच्च बलिदान को हमेशा याद करता है। शहीदों की वीरता की गाथा हर भारतीय को प्रेरित करती हैं और वे राष्ट्रीय गौरव का स्रोत बनी रहेंगी।" श्री मोदी ने 'एक्सश पर लिखा, "आज, विजय दिवस पर, हम उन बहादुर सैनिकों के साहस और बलिदान का सम्मान करते हैं जिन्होंने 1971 में भारत की ऐतिहासिक जीत में योगदान दिया।" प्रधानमंत्री ने कहा कि उनके निस्वार्थ समर्पण और अटूट संकल्प ने देश की रक्षा की। उन्होंने कहा, "यह दिन उनकी असाधारण वीरता और उनकी अडिग भावना को श्रद्धांजलि है, उनका बलिदान हमेशा पीढ़ियों को प्रेरित करेगा और हमारे देश के इतिहास में गहराई से अंतर्निहित रहेगा।" गौरतलब है कि विजय दिवस हर साल 16 दिसंबर को मनाया जाता है। इस दिन 1971 में भारत–पाकिस्ध्तान के बीच हुए युद्ध में भारतीय सेना के अदम्ध्य साहस और शहीद जवानों के बलिदान को याद किया जाता है। इस युद्ध में भारत ने पाकिस्ध्तानी सेना को हराया था। पाकिस्तान के 93,000 सैनिकों को भारतीय सेना ने आत्मसमर्पण करने पर विवश कर दिया था। इस जीत के बाद पूर्वी पाकिस्तान आजाद हो गया, जिसे आज बंगलादेश के नाम से जाना जाता है।

संभल में 1947 से 209 हिंदुओं की हत्या हुई, सीएम योगी बोले....

एक भी पत्थरबाज नहीं बचेगा

● योगी बोले–संभल में 1947 से अबतक 209 हिंदुओं की हत्याः किसी ने 2 शब्द नहीं कहे, हाल में मारे गए लोगों पर आंसू बहा रहे

लखनऊ,(एजेंसी)। सीएम योगी आदित्यनाथ सोमवार को उत्तर प्रदेश विधान सभा में विपक्ष पर जमकर बरसते दिखें। इसके साथ ही उन्होंने संभल में हुए सभी दंगों का जिक्र करते हुए कहा कि संभल में 1947 से 209 हिंदुओं की हत्या हुई है। उन्होंने कहा कि संभल के पत्थरबाज कौन थे? कोई भी पत्थरबाज बचने वाला नहीं है। एक भी गिरफ्तारी बिना साक्ष्य के नहीं हुई। जुमे की नमाज के बाद भड़काउ बयान दिए गए । सीएम ने कहा कि हम कोर्ट के आदेश का सम्मान करते हैं। मूल संविधान में समाजवाद शब्द नहीं , मूल संविधान में धर्मनिरपेक्ष शब्द नहीं, खटाखट वाले इस बार सफाचट हो गए, अगली बार करहल, सीसामऊ में सफाचट होंगे। कुंदरकी के लोगों को उनकी जड़ें याद आ गईं। सीएम ने कहा कि सरकार आश्वस्त करती है कि कोई दोषी नही बचेगा, जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम होगा,दोनो घटनाओ में विजुअल वीडियो देख सकते हैं घरों पर पत्थर इकट्ठे करके रखे गए है। मुस्लिम इलाकों से हिन्दू जुलूस नही निकल सकताः योगी आप ऐसे कैसे कह सकते हैं कि मुस्लिम इलाकों से हिन्दू जुलूस नही निकल सकता, सड़क किसी की नही है,जय श्रीराम का नारा उत्तेजक नही है, अगर मैं कहूँ की अल्ला हूं अकबर मत लगाओ तो मानेंगे..कल कोई हिन्दू कहे कि अल्ला हू अकबर के नारे नहीं लगाओ तो कैसा लगेगा। उत्तर प्रदेश विधानमंडल के दोनों सदनों की आज हंगामेदार शुरुआत हुई। विधान सभा और विधान परिषद के सत्र की शुरुआत से पहले ही समाजवादी पार्टी के सदस्यों ने जिस तरह विधानसभा परिसर में जमकर नारेबाजी की उससे ही अंदाजा हो गया था कि यह सत्र हंगामेदार रहने वाला है। हम आपको बता दें कि सत्र शुरू होने से पहले सपा विधायक और विधान पार्षदों ने संभल समेत कई मुद्दों पर नारे लिखी तख्तियां हाथ में लेकर चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा के निकट सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया और जमकर नारेबाजी की। सपा नेताओं ने किसानों की फसल का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) देने का वादा पूरा न होने, बेरोजगारी, पेपर लीक और पुलिस द्वारा किए जा रहे ''अत्याचार'' जैसे तमाम मुद्दे उठाये।

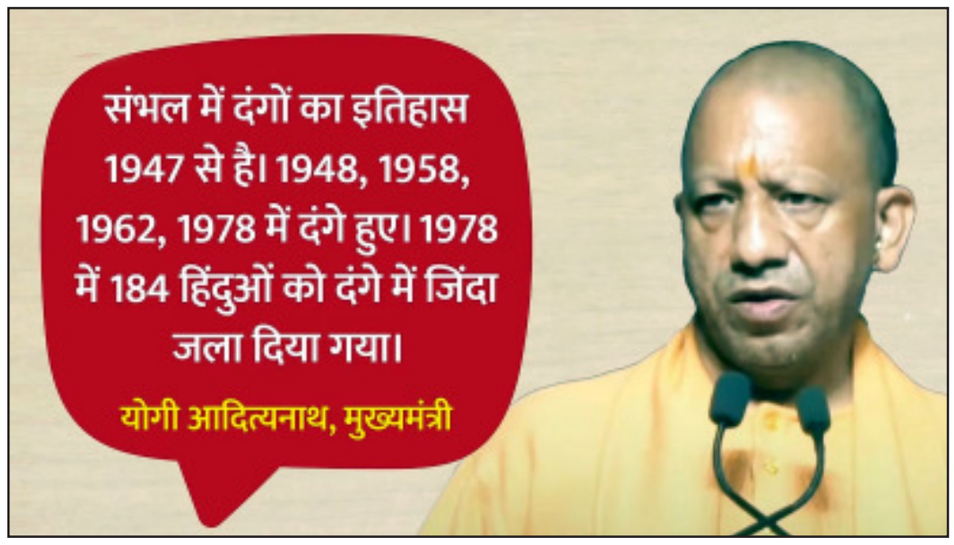

कोचिंग संस्थान में हुई दुर्घटना चिंताजनक–गहलोत

जयपुर,(एजेंसी)। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने कल रात जयपुर में एक कोचिंग संस्थान में हुई दुर्घटना को चिंताजनक बताते हुए कहा है कि राज्य सरकार को कोचिंग संस्थानों के उचित प्रबंधन के लिए बनाई गाइडलाइंस पालन कराया जाना चाहिए। श्री गहलोत ने सोमवार को सोशल मीडिया पर कहा कि यह वर्तमान राज्य सरकार की जिम्मेदारी है कि कोचिंग संस्थानों के उचित प्रबंधन के लिए बनाई गाइडलाइंस को लागू करें एवं अविलंब सुनिश्चित करे कि सारे कोचिंग संस्थान पिछली सरकार द्वारा बनाए गए कोचिंग हब में शिफ्ट किए जाएं। उन्होंने कहा कि कोचिंग संस्थानों में ऐसी दुर्घटनाएं कभी भी बड़ा रूप ले सकती हैं क्योंकि यहां क्षमता से अधिक विद्यार्थियों को पढ़ाया जाता है जो उचित नहीं है। हमारी सरकार के समय कोचिंग संस्थानों के लिए विस्तृत गाइडलाइंस जारी की गईं थीं एवं भीड़भाड़ वाले इलाकों के स्थान पर अच्छे वातावरण के लिए सोच–समझकर प्रतापनगर में कोचिंग हब बनाया गया था। उन्होंने इस दुर्घटना में घायल हुए विद्यार्थियों के जल्द स्वास्थ्य लाभ की कामना भी की। उल्लेखनीय है कि जयपुर के महेश नगर थाना क्षेत्र में एक कोचिंग संस्थान में रविवार देर शाम को क्लास रूम में कई विद्यार्थियों की तबीयत बिगड़ने का मामला सामने आया था।

प्रियंका गांधी फिलिस्तीन के सपोर्ट वाला बैग लेकर संसद पहुंचीं

● उस पर लिखा था– फिलिस्तीन आजाद होगा, बोलीं– मुझे क्या पहनना है, ये कोई रूढ़िवादी नहीं बताएगा

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। बता दें कि कांग्रेस महासचिव गाजा में इजरायल की कार्रवाई के खिलाफ आवाज उठाती रही हैं और फिलिस्तीनियों के साथ एकजुटता व्यक्त करती रही हैं। षफिलिस्तीनष शब्द और तरबूज समेत फिलिस्तीनी प्रतीकों से सजा हुआ हैंडबैग ले जाने को फिलिस्तीनी एकजुटता के प्रतीक के रूप में देखा जा रहा है। नई दिल्ली में फिलिस्तीन दूतावास के प्रभारी अबेद एलराजेग अबू जजेर ने पिछले हफ्ते प्रियंका को केरल के वायनाड से उनकी हालिया चुनाव जीत पर कांग्रेस नेता को बधाई देने के लिए बुलाया था। प्रियंका गांधी के फिलिस्तीन वाले बैग पर घमासान हो चुका है। दरअसल, फिलिस्तीन लिखा बैग लेकर प्रियंका गांधी संसद पहुंची और जिसके बाद बीजेपी ने इसको लेकर उन पर सवाल खड़े कर दिए हैं। भाजपा ने इस घटनाक्रम पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की और इसे शमुस्लिम तुष्टिकरणश कहा। इंटरनेट यूजर्स में से एक ने कहा कि प्रियंका गांधी अपने समर्थन का प्रतीक एक विशेष बैग लेकर फिलिस्तीन के साथ अपनी एकजुटता दिखा रही हैं। एक अन्य सोशल मीडिया यूजर ने कहा कि शविजय दिवसश पर हमास जैसे संगठन का समर्थन करना अच्छा नहीं है, जिस दिन पूर्व प्रधान मंत्री इंदिरा गांधी के नेतृत्व में भारत ने पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) में पाकिस्तानी सेना को हराया था। प्रियंका गांधी इंदिरा गांधी की पोती हैं। अन्य यूजर्स ने कहा कि अगर प्रियंका गांधी ने भारत की जीत का प्रतीक कोई वस्तु चुनी होती तो यह उचित होता। बता दें कि कांग्रेस महासचिव गाजा में इजरायल की कार्रवाई के खिलाफ आवाज उठाती रही हैं और फिलिस्तीनियों के साथ एकजुटता व्यक्त करती रही हैं। षफिलिस्तीनष शब्द और तरबूज समेत फिलिस्तीनी प्रतीकों से सजा हुआ हैंडबैग ले जाने को फिलिस्तीनी एकजुटता के प्रतीक के रूप में देखा जा रहा है। नई दिल्ली में फिलिस्तीन दूतावास के प्रभारी अबेद एलराजेग अबू जजेर ने पिछले हफ्ते प्रियंका को केरल के वायनाड से उनकी हालिया चुनाव जीत पर कांग्रेस नेता को बधाई देने के लिए बुलाया था।

छत्तीसगढ़ के बालोद में ट्रक और कार की टक्कर में छह लोगों की मौत, सात घायल

बलोद,(एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में आज सुबह ट्रक और यात्री कार के बीच जोरदार टक्कर होने से छह लोगों की मौत हो गई और अन्य सात घायल हो गए। यह दुर्घटना सोमवार सुबह डोंडी थाना क्षेत्र के अंतर्गत

भानुप्रतापपुर–दल्लीराजहरा मार्ग पर चौरापावड़ के पास हुई। जहां तेज रफ्तार ट्रक ने एक अन्य वाहन को जोरदार टक्कर मारी। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) अशोक जोशी ने बताया कि घायलों को स्थानीय लोगों की मदद से राजनांदगांव मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। वहीं, हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया है और पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई है। जानकारी के मुताबिक ट्रक ने विपरीत दिशा से आ रही कार को टक्कर मार दी, जिससे छह लोगों की मौत हो गई, जबकि सात अन्य घायल हो गए। एएसपी जोशी ने कहा कि आरोपी ट्रक चालक मौके से भाग गया और उसकी तलाश जारी है। ट्रक और कार की टक्कर में कार के परखच्चे उड़ गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से घंटों तक कड़ी मशक्कत के बाद कार में फंसे लोगों को बाहर निकाला गया। कार में सवार लोग डौंडी में कुम्भकार में किसी रिश्तेदार के कार्यक्रम में शामिल होने के बाद गुरेदा गांव लौट रहें थे।

कांग्रेस ने एक परिवार की मजबूती के लिए संविधान संशोधन किये: सीतारमण

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संविधान की रक्षा की दुहाई देने वाली कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा है कि कांग्रेस ने लोकतंत्र की मजबूती के बजाय एक परिवार की मजबूती के लिए संविधान संशोधन किये।

श्रीमती सीतारमण ने सोमवार को संविधान की 75 वर्ष की गौरवशाली यात्रा पर राज्यसभा में चर्चा की शुरूआत करते हुए संविधान सभा में शामिल 15 महिलाओं सहित 385 सदस्यों को श्रद्धांजलि दी और नमन किया। उन्होंने कहा कि यह सभी का कर्तव्य है कि हम इन सदस्यों की भावना के अनुरूप संविधान को अक्षुण्ण रखने के लिए प्रयासरत रहें। उन्होंने जाने–माने संविधान विशेषज्ञ सुभाष कश्यप का हवाला देते हुए कहा कि दूसरे विश्व युद्ध के बाद से अनेक देशों के संविधान अब प्रासंगिक नहीं हैं, लेकिन हमारे संविधान ने अनेक संकटों का सामना करते हुए अपनी प्रासंगिकता को बनाये रखा है। उन्होंने कहा कि संविधान विशेषज्ञों के अनुसार संविधान संशोधनों को कुछ कसौटियों से गुजरना होता है, लेकिन कांग्रेस ने कभी इस बात पर ध्यान नहीं दिया। वित्त मंत्री ने कहा कि कांग्रेस संविधान की कितनी रक्षा करती है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उसके नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने निर्वाचित नहीं होने के बावजूद स्वतंत्रता की अभिव्यक्ति को प्रभावित करने के लिए संविधान लागू होने के एक वर्ष के अंदर ही उसमें संशोधन कर दिया। उन्होंने कहा कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी और संविधान सभा के सदस्य कामेश्वर सिंह ने इसे संविधान का अपमान बताते हुए इसका कड़ा विरोध किया। उन्होंने कहा कि यह संशोधन जन कल्याण और लोकतंत्र की मजबूती के लिए नहीं बल्कि पार्टी और प्रधानमंत्री की छवि को ध्यान में रखकर लाया गया। उन्होंने कहा कि इसके बाद कलाकार बलराज सिन्हा और मजरूह सुल्तानपुरी को जेल भेजा गया। उन्होंने कहा कि आज संविधान की प्रति हाथ में लेकर मौजूदा सरकार पर संविधान का अपमान करने वाली कांग्रेस ने हमेशा संविधान के प्रावधानों को ताक पर रखकर बड़ी–बड़ी हस्तियों को प्रताड़ित किया। उन्होंने कहा कि 1975 में इंदिरा गांधी के निर्वाचन को चुनौती देने वाले मामले के न्यायालय में लंबित होने के बावजूद 39वां संशोधन लाया गया। उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी ने अपनी कुर्सी बचाने के लिए संसद में संविधान का संशोधन किया।

कश्मीर घाटी में शीतलहर का प्रकोप जारी

श्रीनगर,(एजेंसी)। जम्मू–कश्मीर के कश्मीर घाटी में शीतलहर का प्रकोप जारी है, हालांकि कई मौसम केंद्रों पर रात के तापमान में वृद्धि दर्ज की गई है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। श्रीनगर मौसम विज्ञान केंद्र ने बताया कि घाटी में हाड कंपाने वाली शीतलहर का प्रकोप जारी रहने के आसार हैं। विभाग ने कहा कि आमतौर पर मौसम शुष्क रहेगा और 21–22 दिसंबर के दौरान कश्मीर घाटी के ऊपरी इलाकों में हल्की बर्फबारी होने का अनुमान है। ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर में सोमवार को लगातार दूसरे दिन न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे 3.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य तापमान शून्य से नीचे 1.2 डिग्री सेल्सियस से 2.2 डिग्री सेल्सियस नीचे है। पर्यटन स्थल पहलगाम में रविवार रात तापमान में और गिरावट दर्ज की गई और यह एक दिन पहले के शून्य से नीचे 4.8 डिग्री सेल्सियस के मुकाबले शून्य से नीचे 5.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 0.9 डिग्री सेल्सियस कम है। काजीगुंड में भी आज दूसरे दिन न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे 4.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 2.6 डिग्री सेल्सियस कम रहा। दक्षिण कश्मीर के प्रसिद्ध पिकनिक स्थल कोकेरनाग में रात का तापमान गिरकर शून्य से नीचे 3.9 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जबकि पिछली रात शून्य से नीचे 2.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था, जो सामान्य से 2.4 डिग्री सेल्सियस कम है। गुलमर्ग के स्की रिसॉर्ट में भी न्यूनतम तापमान में कुछ डिग्री की गिरावट आई है और यह शून्य से नीचे 4.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

दिल्ली में फिर ग्रेप तीन लागू

● हवा की वायु गुणवत्ता खराब, इन कार्यो पर रहेगी पाबंदी

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में फिर से वायु प्रदूषण बिगड़ने के साथ ही ग्रेप–3 की पाबंदियां लागू हो गई हैं। अभी तक दिल्ली–एनसीआर में ग्रेप–2 लागू था। दिल्ली–एनसीआर में फिर से ग्रेप तीन लागू हो गया है। दिल्ली में हवा की वायु गुणवत्ता खराब हो गई है। इससे पहले बीते सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को दिल्ली–एनसीआर में ग्रेप–2 नियम की पाबंदियों वाले आदेश को बरकरार रखा था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि ग्रेप 4 के प्रतिबंध पर जो राहत दी गई थी, वो जारी रहेगी। सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने यह आदेश दिया था। ग्रेप तीन के तहत इन कार्य पर रहेगी पाबंदी –पूरे एनसीआर में धूल पैदा करने वाली व वायु प्रदूषण फैलाने वाली सीएंडडी गतिविधियों पर सख्त प्रतिबंध रहेगा। –बोरिंग और ड्रिलिंग कार्यों सहित खुदाई और भराई के लिए मिट्टी का काम। –पाइलिंग कार्य, सभी विध्वंस कार्य। –ओपन ट्रेंच सिस्टम द्वारा सीवर लाइन, पानी की लाइन, ड्रेनेज और इलेक्ट्रिक केबलिंग आदि बिछाना। –ईंटधचिनाई कार्य। –प्रमुख वेल्डिंग और गैस–कटिंग कार्य, हालांकि, एमईपी (मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल और प्लंबिंग) कार्यों के लिए छोटी वेल्डिंग गतिविधियों की अनुमति दी जाएगी। –सड़क निर्माण गतिविधियां और प्रमुख मरम्मत। –परियोजना स्थलों के भीतर व बाहर कहीं भी सीमेंट, फ्लाई–ऐश, ईंट, रेत, पत्थर आदि जैसी धूल पैदा करने वाली सामग्रियों का स्थानांतरण, लोडिंगध्अनलोडिंग। –कच्ची सड़कों पर निर्माण सामग्री ले जाने वाले वाहनों की आवाजाही। –विध्वंस अपशिष्ट का कोई भी परिवहन। नए जोड़े गए नियम – बीएस–3 स्टैंडर्ड या इससे नीचे के मीडियम गुड्स वीकल (एमजीवी) अब दिल्ली में नहीं चल सकेंगे। जरूरी सामान लेकर आ रहे एमजीवी को इसमें छूट दी गई है। – बीएस–3 और इससे नीचे के मीडियम गुड्स करियर जो दिल्ली के बाहर रजिस्टर्ड हैं।, उन्हें दिल्ली में नहीं आने दिया जाएगा। जरूरी सामान से जुड़े वाहनों इसमें शामिल नहीं हैं। – एनसीआर से आने वाली इंटरस्टेट बसों को दिल्ली में नहीं आने दिया जाएगा। इलेक्ट्रिक बसों, सीएनजी बसों और बीएस–6 डीजल बसों को इसमें छूट दी गई है। साथ ही ऑल इंडिया टूरिस्ट परमिट वाली बसों, टेम्पो ट्रैवलर को भी छूट दी गई है। ग्रेप–3 में लोगों के लिए सीएक्यूएम की सलाह –कम दूरी के लिए साइकिल का करें इस्तेमाल या चलें पैदल।

ट्रंप का रुख

भारत और अमेरिका के आपसी रिश्ते अब उस अवस्था में नहीं रह गए हैं कि उन्हें किसी खास पार्टी या नेता की अगुआई वाली सरकार की दरकार हो। लेकिन इसके बावजूद अगर अमेरिका में डॉनल्ड ट्रंप का फिर से राष्ट्रपति चुना जाना द्विपक्षीय रिश्तों के लिहाज से एक उत्साहपूर्ण घटना मानी जा रही है, तो यह बेवजह नहीं है। दोनों देशों के रिश्तों के कई ऐसे पहलू हैं जहां वाइट हाउस में ट्रंप की मौजूदगी का प्रत्यक्ष प्रभाव पड़ने की उम्मीद की जा रही है।

जब से यूक्रेन युद्ध शुरू हुआ है, भारत ने यह स्पष्ट नीति रखी है कि वह युद्ध के खिलाफ है, लेकिन रूस से अपनी पुरानी मित्रता पर कोई समझौता नहीं करने वाला। मोटे तौर पर सभी पक्षों ने भारत के इस रुख को स्वीकार भी किया है, लेकिन फिर भी बाइडन सरकार ने इस पर अपनी नाखुशी जताने का कोई मौका हाथ से जाने नहीं दिया। अब ट्रंप के आने के बाद इस मोर्चे पर राहत की उम्मीद कई वजहों से है। अव्वल तो खुद ट्रंप कह चुके हैं कि वह रूसी राष्ट्रपति पूतिन को पसंद करते हैं। दूसरी बात यूक्रेन युद्ध पर उनका घोषित रुख भी बाइडन से अलग रहा है।

ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान चीन के साथ ट्रेड वॉर की पृष्ठभूमि में देखें तो यह संभावना निराधार नहीं है कि हिंद–प्रशांत में चीन की बढ़ी हुई आक्रामकता पर उनका रुख बाइडन सरकार के मुकाबले और कड़ा हो सकता है। दूसरे शब्दों में, उनकी नजर में भारत की अहमियत और ज्यादा होगी। हालांकि इसका नतीजा क्वॉड जैसे मंचों को सामरिक रूप देने पर जोर के रूप में भी आ सकता है, जिससे भारत इनकार करता रहा है।

चीन के प्रति ट्रंप के संभावित कड़े रुख के साइड इफेक्ट के रूप में भारत को बेहतर मौके मिलें तो यह कोई आश्चर्य की बात नहीं होगी। चीन से मुंह मोड़ने वाली कई कंपनियां भारत को विकल्प के रूप देख सकती हैं। वैसे भी ट्रंप के अगले कार्यकाल में अमेरिका और भारत के बीच रक्षा सहयोग बढ़ने की उम्मीद की जा रही है ।तमाम उम्मीदों के बीच ट्रंप के इस कार्यकाल को लेकर कुछ ठोस आशंकाएं भी हैं। सबसे बड़ा सवाल प्रवासियों पर उनके रुख को लेकर है। देखने वाली बात यह होगी कि उनकी सरकार अवैध प्रवासियों को ही निशाना बनाती है या वैध तौर पर आने वाले हाई स्किल्ड प्रफेशनल्स की राह को भी मुश्किल बनाती है ।बहरहाल, सबसे बड़ी बात यह है कि डॉनल्ड ट्रंप, पीएम मोदी और भारत को लेकर दोस्ती का भाव रखते हैं और नजरिया पॉजिटिव हो तो रिश्तों के दरम्यान आने वाले छोटी–मोटी बाधाएं यूं ही दूर होती रहती हैं।

शहरी कचरा प्रबंधन का ब्लू-प्रिंट

तोखन साहू,

एक परिवर्तनकारी दशकीय यात्रा रही है, जिसके बारे में विचार करने पर प्रभाव बेहद गहरे नजर आते हैं। एक ऐसा मिशन जिसने भारत में स्वच्छता और सफाई के नए पैमाने स्थापित कर एक नई परिभाषा गढ़ी है। 2 अक्टूबर 2014 को शुरू किया गया यह मिशन केवल एक पहल नहीं, बल्कि एक आंदोलन था दृ हर एक नागरिक को स्वच्छ, स्वस्थ और शविकसित भारतत्र में योगदान देने का आह्वान। आज, एसबीएम ने अपना फोकस केवल शौचालयों के निर्माण और उन तक नागरिकों की पहुंच को बढ़ाने तक ही सीमित नहीं रखा है, बल्कि इसमें विभिन्न समुदायों के लिए प्रभावी अपशिष्ट प्रबंधन पद्धतियां अपनाने के बारे में स्पष्ट रूप से मार्गदर्शन को भी शामिल किया है। यह बदलाव स्वच्छता के लिए जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा देता है, सभी व्यक्तियों को अपने समाज की भलाई में सक्रिय रूप से योगदान देने के लिए प्रोत्साहित करता है। हमारे प्रधानमंत्री ने इस पहल को आगे बढ़ाया, जिसके परिणामस्वरूप भारत खुले में शौच से मुक्त हुआ और हमारे समुदायों में जनभागीदारी की अनोखी अलख जगी।

शहरी क्षेत्रों में, एसबीएम ने अपशिष्ट प्रबंधन के लिए एक व्यापक दृ ष्टिकोण का नेतृत्व किया है। कुशल अपशिष्ट पृथक्करण प्रणालियों के कार्यान्वयन से लेकर अपशिष्ट–से–ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना तक, देश भर के शहरों ने आज अभिनव समाधान अपनाए हैं, जो कि वर्ष 2014–2024 के बीच हमारे माननीय प्रधानमंत्री कुशल मार्गदर्शन में दूरदर्शी नेतृत्व और अथक प्रयासों से ही संभव हुआ है।

स्वच्छ सर्वेक्षण के रूप में एक वार्षिक स्वच्छता सर्वे की शुरूआत हुई, जिसने शहरों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा दिया। इसने शहरों को सफाई और स्वच्छता संबंधी मानकों का स्तर बढ़ाने के लिए प्रेरित किया गया है, साथ ही स्वच्छता को स्वास्थ्य, शिक्षा और पर्यावरण संरक्षण के साथ जोड़ा है।

स्वच्छ भारत मिशन के मूल में समाज के हर वर्ग और समुदायों की सक्रिय भागीदारी है। स्कूली बच्चों से लेकर महिला समूहों तक, सभी नागरिक स्वच्छता के प्रहारी बन गए हैं। राज्य सरकारों ने स्थानीय स्तर पर राष्ट्रीय नीतियों को लागू किया है और स्वच्छता को लेकर स्पष्ट दिशा–निर्देश स्थापित किए हैं। उन्होंने सार्वजनिक शौचालयों और अपशिष्ट प्रबंधन सुविधाओं जैसे आवश्यक बुनियादी ढांचे के निर्माण के साथ शहरों में विशिष्ट स्वच्छता संबंधी रणनीतियां तैयार की हैं। साथ ही, नगरपालिका कर्मचारियों और सफाई कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से क्षमता निर्माण में भी निवेश किया गया है। राज्यों ने निरंतर प्रगति को ट्रैक करने और उसके आवश्यक समायोजन के लिए मजबूत निगरानी और मूल्यांकन तंत्र के साथ स्तर को बेहतर बनाया है, और स्वच्छ सर्वेक्षण का एक उपकरण के रूप में उपयोग किया है। विभिन्न क्षेत्रों के साथ सहयोग करके, मिशन ने स्थानीय निकायों, गैर सरकारी संगठनों और नागरिकों को एक साझा लक्ष्य की दिशा में मिलकर काम करने के लिए सशक्त बनाया है। पब्लिक–प्राइवेट पार्टनरशिप पर जोर देने के साथ–साथ संसाधन जुटाने और तकनीकी क्षेत्र में इनोवेशन प्रोसेस को आसान बनाया गया है, जिससे स्वच्छता संबंधी समाधान अधिक सुलभ और स्थायी बन गए हैं। इसके अतिरिक्त, सफाई मित्र सुरक्षा शिविर जैसी पहल हमारे स्वच्छता नायकों को स्वास्थ्य जांच की सुविधा प्रदान करती हैं और उनको मिलने वाली सामाजिक सुरक्षा के लाभों के बारे में जागरूकता बढ़ाती हैं, जो सामुदायिक स्वास्थ्य की दिशा में भी मिशन के व्यापक दृष्टिकोण पर जोर देती हैं।

यह सुनिश्चित करना बेहद महत्वपूर्ण है कि स्वच्छता सेवाएं, समाज के बेहद पिछड़े वर्ग के लोगों के लिए भी समावेशी एवं न्यायसंगत हों और एसबीएम ने यह काम सफलतापूर्वक किया है। इसी तरह के उदाहरणों में से एक है, जिसे मैंने भी करीब से देखा है और यह छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले के अंबिकापुर में हुआ है। एक विकेंद्रीकृत अपशिष्ट प्रबंधन योजना के साथ लगभग 200,000 निवासियों वाले इस शहर ने लैंडफिल पर जाने वाले कचरे को प्रभावी रूप से घटाने का काम किया है और स्रोत पर ही इसके लिए विशेष प्रबंध किया गया है, जिसे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता भी प्राप्त हुई है। इस सफलता का एक प्रमुख हिस्सा 470 सफाईकर्मियों का एक समर्पित समूह है, जो शहर में अपशिष्ट प्रबंधन के लिए एक प्रशिक्षित सजग महिलाओं का एक समूह है। उनके प्रयासों से अंबिकापुर नगर पालिका को न केवल राजस्व अर्जित करने में सफलता मिली है, बल्कि उस राजस्व को पुनरू सामुदायिक सेवाओं में निवेश करने में भी मदद मिली है, जिससे समावेशी रणनीतियों के सामाजिक–आर्थिक लाभ भी दिखाई दिए हैं।

अंबिकापुर में महिलाएं कचरा प्रबंधन की पूरी प्रक्रिया को संचालित करती हैं – संग्रह और पृथक्करण से लेकर प्रसंस्करण तक – वे कचरे को दायित्व के बजाय संसाधन के रूप में देखती हैं। यह मानसिकता रीसाइक्लिंग और मैटेरियल रिकवरी को प्रोत्साहित करती है, जिससे कचरा चक्र में आने वाले लूप प्रभावी रूप से बंद हो जाते हैं। समुदाय को जिम्मेदार कचरा निपटारे के बारे में शिक्षित करके, वे पर्यावरण रखरखाव में सक्रिय भागीदारी को बढ़ावा देते हैं, आर्थिक अवसरों को खोलते हैं और स्थायी अभ्यासों को आगे बढ़ाते हैं। इस तरह निचले स्तर से विचार और काम शुरू करते हुए आज राज्यों को कचरा प्रबंधन में उल्लेखनीय प्रगति करने में सक्षम बनाया गया है ।अंबिकापुर की श्महिलाओं के नेतृत्व में स्वच्छताा्य संबंधी पहल प्रभावी अपशिष्ट प्रबंधन रणनीतियों को लागू करने की चाह रखने वाले टियर–द्ढद्ध और टियर–3 श्रेणी के शहरों के लिए एक आशाजनक ब्लू–प्रिंट है। जबकि प्रत्येक समुदाय को अलग–अलग तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है, अंबिकापुर मॉडल सामुदायिक भागीदारी द्वारा संचालित स्थानीय समाधानों की शक्ति को दर्शाता है। जैसे–जैसे शहरी आबादी बढ़ रही है और अपशिष्ट प्रबंधन तेजी से महत्वपूर्ण होता जा रहा है, दुनिया भर के शहर प्रेरणा के लिए अंबिकापुर की ओर देख सकते हैं। उचित समर्थन और प्रतिबद्धता के साथ, हम अपशिष्ट प्रबंधन को विकास और सशक्तीकरण के लिए एक संसाधन के स्वरूप में ढाल सकते हैं, जिससे विभिन्न समुदायों और हमारे पर्यावरण दोनों को लाभ होगा।

हमारे पास भारत भर में सशक्त महिलाओं के कई उदाहरण हैं, जो स्वच्छता और सफाई संबंधी मिशन के लक्ष्यों को बेहतर तरीके से हासिल करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका को पहचानते हैं। आज महिलाएं, कचरा प्रबंधन से लेकर सामुदायिक शिक्षा और स्वास्थ्य संबंधी पहल करने में सबसे आगे हैं, ये प्रयास उन्हें आवश्यक परिवर्तनकारी कारक के रूप में प्रमाणित करते हैं। अपनी सक्रिय भागीदारी के माध्यम से, उन्होंने न केवल सार्वजनिक स्वास्थ्य में योगदान दिया है, बल्कि सफाई और स्वच्छता के प्रति सामाजिक दृष्टिकोण को भी बदला है। एसबीएम के अहम प्रभावों में से एक महिलाओं के लिए रोजगार के अवसरों का सृजन भी रहा है, विशेष रूप से सफाई से जुड़ी भूमिकाओं में उन्होंने बड़ा योगदान दिया है। राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन जैसी पहलों ने महिलाओं को कचरा संग्रह, पृथक्करण और प्रसंस्करण में शामिल होने के लिए प्रशिक्षण और संसाधन प्रदान किए हैं। सफाईकर्मी के रूप में, महिलाएं वित्तीय स्वतंत्रता प्राप्त कर रही हैं और अपने समुदायों में अपनी स्थिति को बेहतर बना रही हैं। यह आर्थिक सशक्तीकरण उनके आत्म–सम्मान और मान्यता को प्रतिष्ठित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जो ट्रेडिशनल जेंडर नॉर्म्स को चुनौती देता है। महिलाएं सामुदायिक जुड़ाव और जागरूकता अभियानों में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। वे परिवारों को स्वच्छता के प्रयासों, कचरे को अलग–अलग करने और स्वच्छता के महत्व के बारे में शिक्षित करती हैं। उनकी भागीदारी स्वच्छता की संस्कृति को बढ़ावा देती है, जो एसबीएम की पहलों में सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित करती है।

निष्कर्ष के तौर पर, एसबीएम में महिलाओं को शामिल करने से न केवल स्वच्छता पहलों की प्रभावशीलता बढ़ेगी, बल्कि सामाजिक–आर्थिक विकास और लैंगिक समानता को भी बढ़ावा मिलेगा। जैसा कि हम भविष्य की ओर देखते हैं, मिशन लगातार विकसित हो रहा है। अब ध्यान स्वच्छता से जुड़े प्रयासों में स्थिरता सुनिश्चित करने, शहरीकरण की चुनौतियों का समाधान करने और सर्कुलर इकॉनमी को बढ़ावा देने की दिशा में आगे बढने पर है। टेक्नोलॉजी और डेटा–ड्रिवन अप्रोच का उपयोग करके, हमारा लक्ष्य अपनी रणनीतियों को सुधारना और लोगों तक अपनी पहुंच का विस्तार करना है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि देश के हर कोने में स्वच्छता के लाभों को लोग अनुभव कर सकें। इसके अलावा, हमें भविष्य की पीढियों के संस्कारों में स्वच्छता और सफाई के मूल्यों को पिरोते रहना जारी रखना चाहिए। स्वच्छता के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देने वाले शैक्षिक कार्यक्रम, पिछले एक दशक में हमारे द्वारा मिशन को दी गई गति को कायम रखने में महत्वपूर्ण सिद्ध होंगे। जैसे–जैसे हम आगे बढ़ रहे हैं, आइए हम स्वच्छता की भावना को अपनाते हुए और इसे अपने दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बनाते हुए हाथ से हाथ मिलाकर चलें। एक बार फिर से स?वच?छता को स?वभाव और संस?कार से जोडना है। स्वच्छता की यह यात्रा अभी खत्म नहीं हुई है, लेकिन दृढ़ संकल्प और सामूहिक श्रमदान के साथ, एक स्वच्छ, स्वस्थ भारत तक हमारी पहुंच सुनिश्चित हो चुकी है।

माइनॉरिटी स्टेटस

जो यह उम्मीद कर रहे थे कि अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के माइनॉरिटी स्टेटस को लेकर लंबे समय से चले आ रहे विवाद पर हां या ना में स्पष्ट जवाब मिल जाएगा, उन्हें सुप्रीम कोर्ट के शुक्रवार को आए फैसले से थोड़ी निराशा हो सकती है। लेकिन सर्वोच्च अदालत के फैसले की अहमियत इस मायने में है कि यह इस मसले को देखने, समझने के तरीकों में निहित कमियों पर रोशनी डालता और उन्हें दूर करता है।

इस कानूनी विवाद की जटिलता को इस तथ्य से समझा जा सकता है कि यह आधी सदी से भी ज्यादा पुराना है। इसकी शुरुआत 1967 में अजीज बाशा केस में आए सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले से मानी जाती है जिसमें कहा गया था कि ।डन् अल्पसंख्यक संस्थान नहीं है क्योंकि यह एक कानून (अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी एक्ट 1920) के जरिए अस्तित्व में आया था। इसके बाद 1981 में सरकार ने ।डन् एक्ट में संशोधन करते हुए कहा कि इसकी स्थापना मुस्लिम समुदाय द्वारा और मुस्लिम समाज की शैक्षिक और सांस्कृतिक जागरूकता को बढ़ावा देने के मकसद से की गई थी ।1981 के संशोधन से वे भ्रम और संदेह पूरी तरह दूर नहीं हुए, जो इस विवाद के मूल में थे। इसकी झलक 2006 में तब मिली, जब इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 1981 के इस संशोधन को निरस्त करते हुए कहा कि ।डन् को अल्पसंख्यक संस्थान नहीं माना जा सकता क्योंकि सुप्रीम कोर्ट 1967 में ही अजीज बाशा केस में इसका माइनॉरिटी स्टेटस रद्द कर चुका है। इस तरह के परस्पर विरोधी कदमों से असमंजस की स्थिति बनी हुई थी।

माइनॉरिटी स्टेटस का सवाल यूनिवर्सिटी प्रबंधन के विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं से तो जुड़ा है ही, यहां लागू होने वाली आरक्षण व्यवस्था पर भी निर्णायक प्रभाव डालने वाला है। यूनिवर्सिटी में मुस्लिमों के लिए कितना आरक्षण रहेगा और ैब्ज्ध्व्ठ आरक्षण मिलेगा या नहीं, यह भी इस सवाल के जवाब पर निर्भर करता है ।ऐसे में महत्वपूर्ण है कि सुप्रीम कोर्ट ने तात्कालिकता से जुड़े दबावों को दरकिनार करते हुए इस केस को इसकी समग्रता और व्यापकता में देखने का प्रयास किया। 50 साल से भी ज्यादा पुराने विवाद में हुई गलतियों के मद्देनजर सुप्रीम कोर्ट की 7 सदस्यीय बेंच ने स्वाभाविक ही यह साफ करना जरूरी समझा कि किसी संस्थान के माइनॉरिटी स्टेटस की जांच किन मानकों पर की जानी चाहिए। उम्मीद है कि इस फैसले से मिले नए मानदंडों के जरिए न केवल ।डन् बल्कि भविष्य में अन्य संस्थानों के स्टेटस पर उठने वाले सवालों को भी बेहतर ढंग से हल किया जा सकेगा।

पाक में क्यों बह रहा मुसलमानों का खून

आर.के. सिन्हा

मोहम्मद अली जिन्ना ने जिस इस्लामिक देश पाकिस्तान को बनवाया था, वहां मुसलमान ही अब मुसलमानों की जान के दुश्मन हो गये हैं। वहां सुन्नी और शिया समुदायों के बीच हुए हालिया संघर्ष में 100 से ज्यादा लोगों का खून बहा। हिंसा खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में अफगानिस्तान की सीमा से लगे कुर्रम जिले में हुई। सुन्नी बहुल पाकिस्तान में 24 करोड़ की आबादी में शिया मुस्लिम लगभग 15 प्रतिशत ही हैं। पाकिस्तान में शिया और सुन्नी मुसलमानों के बीच का हालिया संघर्ष जटिल है, जिसके जड़ें सदियों पुरानी धार्मिक और राजनीतिक विभाजन के इतिहास पर टिकी हैं।

वैसे तो कुछ कट्टरपंथी समूह तो दोनों पक्षों में ही मौजूद हैं जो हिंसा का इस्तेमाल करके ही अपने धार्मिक विचारों को आगे बढ़ाने में विश्वास रखते हैं। ये समूह साम्प्रदायिक भेदभाव को बढ़ावा देते हैं और हिंसा को सही ठहराते हैं। पाकिस्तान में सुन्नी समुदाय कतई शिया मुसलमानों को पसंद नहीं करते। इससे साफ है कि इस्लाम अपने मानने वालों को भी नहीं जोड़ता। हालांकि बातें बहुत होती हैं कि सारी दुनिया के मुसलमान एक हैं। लेकिन , ये अपनी इस बात को तो स्वयं ही बार–बार गलत साबित करते रहते हैं ।

पाकिस्तान में शिया मस्जिदों में धमाके और विष्फोट होना भी आम बात हो चुकी है। पेशावर में मई, 2022 में शुक्रवार को जुमे की नमाज के दौरान हुए दिल दहलाने वाले आत्मघाती बम विस्फोट में लगभग 60 से अधिक शिया नमाजी मारे गए थे।। हमलावरों ने निशाना बनाया था शिया मुसलमानों और उनकी इबादतगाह को। यह भी याद रखा जाए कि एक इस्लामिक मुल्क में ही शिया मुसलमानों का जीना मुश्किल हो गया है। वे हर वक्त डर–भय के साए में जीने को मजबूर बने रहते हैं। यह हाल उस पाकिस्तान का है जो मुसलमानों के वतन के रूप में बना था।

पेशावर की शिया मस्जिद में हुआ हमला कोई अपने आप में पहली बार नहीं हुआ था। वहां पर शिया मुसलमानों पर लगातार जुल्मों–सितम होते रहे हैं। पाकिस्तान में लगातार प्रतिबंधित संगठन शियाओं के खघ्लिाफ खुलेआम प्रदर्शन भी करते हैं। इस तरह के ज्यादातर प्रदर्शन लाहौर, क्वेटा, पेशावर वगैरह शहरों में देखने को मिलते हैं। वहां पर शिया मुसलमानों के खिलाफ माहौल बनाने वाला साहित्य भी हर जगह आसानी से वहाँ पर आम लोगों को आसानी से उपलब्ध है।

तालिबान और इसी तरह के अन्य अतिवादी समूहों के विचारों का प्रभाव पाकिस्तान में है, जो साम्प्रदायिक संघर्षों को बढ़ावा देने में मदद करते हैं। यह समूह अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए शिया–सुन्नी संघर्ष का उपयोग आम तौर पर करते हैं। पाकिस्तान में कुछ सियासी नेता साम्प्रदायिक तनाव को अपने राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल करते हैं। वे मतदाताओं को लुभाने के लिए और राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों को कमजोर करने के लिए साम्प्रदायिक भावनाओं को भड़काते हैं।

बेशक, पाकिस्तान सरकार की सुन्नी परस्त नीति के कारण साम्प्रदायिक हिंसा को रोकने में नाकामी, या यहां तक कि कुछ मामलों में इसमें सहयोग करने से, इस समस्या को और बढ़ावा मिलता है। पाकिस्तान में कुछ सुन्नी जिन्ना को भी शिया बताते हैं। कौन जाने की एक बार जिन्ना शिया साबित कर दिए गए तो उनकी विरासत को भी बिना कुछ जाने समझे ही पाकिस्तान में धूल में मिला दिया जायेगा।

पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों, विशेषकर शिया मुसलमानों, हिंदुओं, ईसाइयों और सिखों के साथ भेदभाव के कई जटिल कारण हैं, जिनमें धार्मिक कट्टरता, राजनीतिक उद्देश्य और कई सामाजिक–आर्थिक कारक शामिल हैं। कोई एकल कारण नहीं है, बल्कि ये कारक आपस में जुड़े हुए हैं। पाकिस्तान में कुछ अतिवादी आतंकी धार्मिक समूहों का प्रभाव काफी है , जो सुन्नी इस्लाम के एक विशेष व्याख्या का प्रचार करते हैं जो अन्य धर्मों और शिया इस्लाम के प्रति असहिष्णुता को बढ़ावा देता है।

कुछ राजनीतिक दलों और नेताओं ने अपनी राजनीतिक शक्ति बढ़ाने के लिए धार्मिक भावनाओं का इस्तेमाल किया है। वे अल्पसंख्यकों के खिलाफ भेदभाव को बढ़ावा देते हैं, उन्हें ष्दूसरेष के रूप में चित्रित करते हैं, जिससे सामाजिक विभाजन बढ़ता है।

पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों को अक्सर सामाजिक और आर्थिक रूप से वंचित किया जाता है। उन्हें अच्छी शिक्षा, रोजगार और स्वास्थ्य सेवा तक सीमित पहुँच होती है, जिससे वे और भी हाशिए पर आते ही चले जाते हैं। यह आर्थिक असमानता सामाजिक भेदभाव को और बढ़ाती है। एक समस्या यह भी है कि अल्पसंख्यकों के खिलाफ होने वाले अपराधों में अक्सर अपराधियों को सजा नहीं मिलती है, जिससे उन्हें अन्याय का सामना करना पड़ता है और भेदभाव जारी ही रहता है। न्याय प्रणाली में सुधारों की कमी से अल्पसंख्यकों का भरोसा कम होता है। अगर आप पाकिस्तान के इतिहास को देखें तो पायेंगे कि पाकिस्तान की स्थापना के समय से ही अल्पसंख्यकों के साथ लगातार अत्याचार और भेदभाव होता रहा है। यह सांस्कृतिक और ऐतिहासिक कारक आज भी भेदभाव को बढ़ावा देते हैं।

पाकिस्तान में हिन्दुओं को भी नफरत की निगाह से देखने वाले भी कम नहीं हैं। हालांकि लगभग सारे पाकिस्तानियों के पुरखे हिन्दू ही तो थे। पाकिस्तान का इतिहास हिन्दुओं के खिलाफ नाइंसाफी और खून से लथपथ है। हालांकि 11 अगस्त,1947 को मोहम्मद अली जिन्ना ने एक भाषण में यह कहा था कि पाकिस्तान में सभी धर्मों के मानने वालों को अपने धार्मिक स्थानों में जाने की अनुमति होगी। यानी पाकिस्तान के विश्व मानचित्र में आने से सिर्फ तीन दिन पहले। उन्होंने अपनी कैबिनेट में जोगिन्दर नाथ मंडल नाम के एक हिन्दू को शामिल भी किया था। वे पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) से थे ।मंडल को जिन्ना ने अपनी कैबिनेट में विधि मंत्री की जिम्मेदारी सौंपते हुए कहा था कि इस्लामिक पाकिस्तान में सबके हक सुरक्षित हैं। पर हुआ इसके ठीक विपरीत। मंडल पाकिस्तान के पहले और शायद आखिरी हिन्दू मंत्री बने। वे वहां पर अखिल भारतीय मुस्लिम लीग के नेता थे। मंडल अपने को बाबा साहेब अंबेडकर के विचारों से बहुत प्रभावित बताते थे। वे दलित समुदाय से आते थे। वे 1946 में पंडित नेहरू के नेतृत्व में बनी अंतरिम सरकार में भी विधि मंत्री थे।जिन्ना की 11 सितंबर, 1948 को मौत के साथ ही मंडल की वहां पर दुर्गति चालू हो गई थी। उनकी हर सलाह को नामंजूर कर दिया जाता। नतीजा यह हुआ कि वे पाकिस्तान को छोड़कर भारत आ गए। ये 1951 के आसपास की बातें हैं। उन्होंने आरोप लगाया था कि पाकिस्तान में हिन्दुओं के साथ नाइंसाफी होती है। इसलिए उनका पाकिस्तान में रहना मुमकिन नहीं होगा। मंडल उसके बाद कोलकत्ता आ गए। उनका 1968 में निधन हो गया। मंडल ने जो कहा था, वह अक्षरशः सही निकला। पाकिस्तान में हिन्दुओं के साथ कभी न्याय नहीं हुआ। इसी का नतीजा था कि जिन्ना का करीबी एक दलित हिन्दू मंत्री तक पाकिस्तान में नहीं रह सका। कुल मिलाकर बात यह है कि पाकिस्तान में अभी तो सिर्फ सुन्नी ही सुरक्षित हैं।आगे क्या होगा शायद खुदा को भी पता न हो । आगे – आगे देखिये होता है क्या?

जोनल/सेक्टर मजिस्ट्रेटो को विकास भवन में दिया प्रशिक्षण

जोनल एवं सेक्टर मजिस्ट्रेट भ्रमणशील रहकर उप निर्वाचन को निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराए–सीडीओ

प्रतापगढ़। जनपद की नगर पालिका परिषद बेल्हा के रिक्त अध्यक्ष पद के उप निर्वाचन के मतदान दिनांक 17 दिसम्बर 2024 को जनपद में सकुशल, पवित्रता, शांतिपूर्ण, सुचिता पूर्ण एवं निष्पक्ष ढंग से संपन्न कराने के लिए जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी संजीव रंजन के कुशल निर्देशन में विकास भवन सभागार में जोनल एवं सेक्टर मजिस्ट्रेट का प्रथम प्रशिक्षण संपन्न हुआ।

जिसमें सुपर मास्टर ट्रेनर प्रधानाचार्य राजकीय इंटर कालेज रामपुर कांपा डॉ विंध्याचल सिंह, उप प्रधानाचार्य राजकीय बालिका इंटर कालेज डॉ मो0 अनीस एवं एआरपी धर्मेंद्र कुमार ओझा और नसीमुद्दीन द्वारा निर्वाचन की महत्वपूर्ण प्रक्रिया के बारे मे बारीकी से तथा उनके कार्य और दायित्व के बारे मे विस्तार पूर्वक पावरप्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से तथा मत पेटिका को खोलने एवं सीलिंग की प्रक्रिया में विस्तार पूर्वक बताया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी/प्रभारी अधिकारी कार्मिक डा0 दिव्या मिश्रा ने जोनल एवं सेक्टर मजिस्ट्रेट को निर्देशित करते हुए कहा कि निर्वाचन कार्य में किसी भी प्रकार की शिथिलता, संदिग्धता, संलिप्तता की स्थिति में लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की सुसंगत धाराओं के अंतर्गत कार्रवाई की जाएगी इसके लिए अधिकारी स्वयं उत्तरदायी होंगे। निर्वाचन के लिए 3 जोन एवं 6 सेक्टर निर्धारित है, 110 मतदेय स्थल पर निर्वाचन होना

है। इस प्रशिक्षण को आप पूरे मनोयोग से प्राप्त करें, निर्वाचन संबंधित सम्पूर्ण प्रक्रिया जान ले एवं अपनी शंकाओं का समाधान मास्टर ट्रेनर से जरूर प्राप्त कर ले और उनसे उनका मोबाइल नंबर प्राप्त कर ले। इस उप निर्वाचन को पारदर्शिता, पूर्ण ईमानदारी, निष्ठा एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराना है। निर्वाचन आयोग के बताए गए दिशा निर्देशों का पालन पूरी तरह से करना है। उन्होने निर्देशित किया कि जोनल एवं सेक्टर मजिस्ट्रेट भ्रमणशील रहकर नगर पालिका परिषद बेल्हा के अध्यक्ष पद के उप निर्वाचन को निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न करायें। मोबाइल फोन मतदेय स्थल पर पूर्णतया प्रतिबंधित है। सुपर मास्टर ट्रेनर डॉ मोहम्मद अनीस एवं धर्मेंद्र कुमार ओझा ने निर्वाचन संबंधित महत्वपूर्ण सावधानियां के बारे में विस्तार पूर्वक बताया और कहां की आप अपने जोन एवं सेक्टर के बारे में जानकारी रखेंगे, हर दो–दो घंटे पर पोलिंग परसेंटेज उपलब्ध कराएंगे एवं बूथ पर कानून व्यवस्था बनाए रखने में अपना संपूर्ण योगदान देंगे। इस अवसर पर रणवीर सिंह, राहुल शर्मा आदि उपस्थित रहे।

पुरस्कार हेतु 25 दिसम्बर तक करें आवेदन

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी संजीव रंजन ने बताया है कि संस्कृति विभाग उ0प्र0 द्वारा मल्लिका–ए–गजल बेगम अख्तर की स्मृति में दादरा/ठुमरी/गजल विधाओं में ऐसे प्रतिभावान गायक जिसकी आयु 40 वर्ष से कम न हो को ''बेगम अख्तर पुरस्कार'' से सम्मानित किया जाता है जिसके अन्तर्गत चयनित कलाकार को रूपये 5 लाख की धनराशि एवं अंगवस्त्र व प्रशस्ति पत्र भेंट स्वरूप प्रदान किया जाता है। उन्होने बताया है कि बेगम अख्तर पुरस्कार के लिये आवेदन पत्र निर्धारित प्रारूप पर दिनांक 25 दिसम्बर 2024 सायं 5 बजे तक निदेशक, संस्कृति निदेशालय, उ0प्र0, जवाहर भवन नवम तल लखनऊ 226001 के कार्यालय में जमा किये जा सकते है। कलाकार उत्तर प्रदेश का मूल निवासी अथवा उसकी कर्मभूमि उत्तर प्रदेश होना चाहिये। कलाकार को अपनी प्रतिभा की दीर्घ साधना एवं श्रेष्ठ उपलब्धि को भरसक निर्विवाद मानदण्डों के आधार पर राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त होनी चाहिये। यह पुरस्कार कलाकार के गायन के क्षेत्र में सम्पूर्ण उपलब्धियों के आधार पर प्रदान किया जायेगा न कि किसी एक विशिष्ट संरचना के लिये। बेगम अख्तर पुरस्कार का उद्देश्य दादरा, ठुमरी एवं गजल के क्षेत्र में विशेष प्रतिभावान विशिष्ट गायक को जिसने अपने व्यक्तिगत प्रयासों से उत्कृष्ट आयाम स्थापित किया हो तथा राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया हो को सम्मानित करना है। पुरस्कार सम्बन्धी नियमावली एवं निर्धारित प्रारूप आवेदन पत्र संस्कृति विभाग उ0प्र0 की वेबसाइट पर देखा जा सकता है।

साइबर फ्रॉड की जानकारी ही बचाव है

सुलतानपुर। राजकीय मेडिकल कालेज दूबेपुर के प्रांगण में साइबर फ्रॉड पर आज एक सेमिनार को आयोजित किया गया जिसमे बताया गया कि आज कल फाइनेंशियल फ्रॉड की घटनाओं में आश्चर्यजनक वृद्धि हुई है। इन फ्रॉड की घटनाओं से बचने हेतु स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय एवं आई.सी.आई.सी. आई बैंक द्वारा संयुक्त रूप से जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जनता एवं कर्मचारी सायबर फ्राड का शिकार ना हो इसलिए उन सभी चिंता जनक विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण उत्तर प्रदेश द्वारा प्रेरित इस कार्यशाला का शुभारम्भ दीप प्रज्जवलन एवं सरस्वती वंदना से हुई। इसका शुभारम्भ स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. सलिल श्रीवास्तव के कर कमलो से हुआ। इस कार्यक्रम में सर्जरी डिपाटमेल के आचार्य व हेड डॉक्टर एके सिंह सीएमएस डॉक्टर एसके गोयल, चीफ डॉक्टर अरविन्द सिंह कम्युनिटी मेडिसिन डिपार्टमेंट के एसोसिएट और हेड डॉक्टर आनंद रंजन जो कि इस सेमिनार के नोडल भी है कि उपस्थिति महत्वपूर्ण रही। इस अवसर पर डॉ. अमृता, डॉ. अंकित, डॉ. सुपर्णा, डॉ. अंशुमान सिंह, डॉ. शिवांगी भी उपस्थित रहे। कम्युनिटी मेडिसिन डिपार्टमेंट स एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. राजीव तथा डॉ. पायल सिंह डॉ. फौलिसा उपस्थित रहे।

संक्षेप

फायर ब्रिगेड करेगी अस्पतालों की जांच, अलग से आएंगे निर्देश

मेरठ(आरएनएस)। जिले के निजी अस्पतालों में आग बुझाने के इंतजाम कैसे है, इसकी जांच अब फायर ब्रिगेड अलग से करेगी। इस संबंध में शासन से निर्देश आएंगे।झांसी के मेडिकल कॉलेज में आग लगने के हादसे के बाद सीडीओ और सीएमओ ने निजी अस्पतालों से उनके आग बुझाने के इंतजाम के ब्योरा मांगा था। निर्देश दिए थे कि तीन के भीतर अस्पताल प्रबंधन ब्योरा देगा। यह मियाद मंगलवार को पूरी हो गई और अस्पतालों ने ब्योरा नहीं भेजा।सीएमओ डॉ. अशोक कटारिया ने बताया कि अस्पताल प्रबंधकों से जानकारी मांगी गई थी, मगर अब व्यवस्था में बदलाव किया गया है। अस्पतालों का अब फायर ब्रिगेड निरीक्षण करेगी। परखेगी की आग बुझाने के इंतजाम पुख्ता हैं कि नहीं। इसके लिए शासन से निर्देश आने वाले हैं।

मोमबत्ती जला दी श्रद्धांजलि

मेरठ।(आरएनएस) चौधरी चरण सिंह पार्क में समाजसेवी, व्यापारी और छात्रों ने मोमबत्ती जलाकर एमबीए के छात्र प्रियांशु जैन की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। मौन प्रार्थना के बाद हत्यारोपी पुलिसकर्मी को फांसी की सजा देने की मांग की गई। मोमबत्ती जलाकर श्रद्धांजलि दी गई।ऐनुद्दीन शाह ने कहा कि मुकदमे की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में की जानी चाहिए। एफआईआर होना और मुजरिम का पकड़ा जाना पूरा न्याय नहीं है। न्याय तभी होगा जब अपराधी को जल्द से जल्द सजा मिले। डॉ. अमित पाठक ने कहा कि प्रियांशु के परिवारजन इस दुख की घड़ी में जब अपने आपको नहीं संभाल पा रहे हैं। ऐसे में वह अहमदाबाद जाकर केस की पैरवी कैसे कर सकेंगे।पुलिस के हाथ में सारी जांच है, जो गुजरात की पुलिस द्वारा प्रभावित हो सकती है। विपुल सिंघल ने कहा कि मुकदमे की सुनवाई दिल्ली हो और जांच सीबीआई को सौंपी जाए। इस दौरान अजय वर्मा, शुभांकर शर्मा, अपूर्व गुप्ता, अर्जुन टंडन, राजीव मोहन, संस्कार शर्मा रहे।

आपराधिक वादो का निस्तारण

मेरठ(आरएनएस)। अपर जिला न्यायाधीशध्सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मेरठ उदयवीर सिंह ने बताया कि उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के पत्र के अनुसार योजित विशेष लोक अदालत में अधिक से अधिक संख्या में लघु आपराधिक वादो को चिन्हित कर निस्तारित किये जाने हेतु निर्देशित किया गया है। उन्होने बताया कि आियोजित विशेष लोक अदालत में अधिक से अधिक संख्या में लघु आपराधिक वादो का निस्तारण किया जायेगा।

ाकायतकर्ताओं की सुनी समस्याएं,

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी संजीव रंजन ने कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनसुनवाई के दौरान दूर–दराज से आये हुये फरियादियों की शिकायतों को गम्भीरतापूर्वक सुनकर सम्बन्धित अधिकारियों को प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध तरीके से निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त राजस्व शिकायतों के सम्बन्ध में जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम मौके पर जाकर निष्पक्ष जांच कर, शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण ढंग से करें जिससे शिकायतकर्ता को इधर–उधर भटकना न पड़े। उन्होने अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया है कि जनकल्याणकारी योजनाओं से पात्र व्यक्तियों को लाभान्वित करें, कोई भी पात्र व्यक्ति योजना से वंचित न रहें इसका विशेष ध्यान दें। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि जनता की शिकायतों को शासन की मंशानुरूप गुणवत्तापूर्ण निस्तारण ससमय करायें, शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही कदापि न बरती जाये।

ताले तोड़कर खंगाल डाला घर

मेरठ(आरएनएस)। ब्रह्मपुरी थाना क्षेत्र में देर रात बदमाशों ने एक मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव के मकान के ताले तोड़कर लाखों की चोरी को अंजाम दिया। घटना के समय गृहस्वामी अपने परिवार सहित एक शादी में शामिल होने गया था। बुधवार को वापस लौटने पर पीड़ित ने पुलिस को मामले की जानकारी दी। जिसके बाद पुलिस जांच में जुटी है।जानकारी के मुताबिक माधवपुरम सेक्टर तीन निवासी संदीप पुत्र प्रमोद एक प्राइवेट कंपनी में मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव हैं। संदीप ने बताया कि उनकी पत्नी का मायका बुलंदशहर के स्याना कस्बे में है। मंगलवार को संदीप अपने परिवार सहित स्याना में अपनी पत्नी की बहन की शादी में शामिल होने गए थे। बुधवार दोपहर संदीप घर वापस लौटे तो मकान के ताले टूटे देख उनके होश उड़ गए। भीतर जाकर देखा तो बदमाशों ने घर में रखी दो सेफ के ताले तोड़कर पूरे घर को जमकर खंगाला था। संदीप द्वारा घटना की सूचना दिए जाने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने पीड़ित से पूछताछ की।संदीप ने बताया कि बदमाश सेफ में रखी 18 हजार की नकदी और लगभग दो लाख की ज्वेलरी सहित कीमती सामान पर हाथ साफ कर गए। पीड़ित ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ चोरी की तहरीर दी है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है।

रेंजर ने टीम के साथ आरामशीनों पर की छापेमारी, लकड़ी किया सीज

सिराथू, कौशाम्बी। वन क्षेत्राधिकारी सिराथू ने वनकर्मियों की टीम के साथ क्षेत्र में संचालित आरा मशीनों और कोयला भट्टी का औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान रेंजर ने मौके पर मौजूद संधिग्ध लकड़ी को सीज कर दिया। वन विभाग की कार्रवाई से आरा मशीनों के संचालकों में खलबली मची रही।शनिवार को वन क्षेत्राधिकारी सिराथू निखिलेश चौरसिया ने वनकर्मियों की टीम के साथ सिराथू क्षेत्र के अफजलपुर वारी, दिलावलपुर , दौलतपुर , निजाममई और भरवारी में संचालित आरा मशीनों पर छापेमारी की। वन अधिकारियों के मुताबिक अफजलपुर वारी और दिलावरपुर गांव में आरा मशीन में संदिग्ध पाई गई लकड़ी को सीज करने की कार्रवाई की गई। वन विभाग के अधिकारियों की छापेमार कार्रवाई से आरा मशीनों के संचालकों में खलबली मची रही। छापेमारी टीम में वन दरोगा मनोज कुमार, रामदास पटेल वनकर्मी रामसिंह मौजूद रहे। वन क्षेत्राधिकारी निखिलेश चौरसिया ने बताया की जिलाधिकारी के निर्देश पर सिराथू क्षेत्र में संचालित आरा मशीनों पर छापेमारी की गई है। इस दौरान अफजलपुर वारी और दिलावलपुर गांव की आरामशीन में संदिग्ध प्रतीत होने पर मौजूद लकड़ी को सीज करते हुए संचालकों से लकड़ी के संबंध में कागजात मांगे गये हैं।

सड़क किनारे झाड़ियां दे रहीं हादसे को न्यौता

सुल्तानपुर। अमहट से मेडिकल कॉलेज दूबेपुर को जोड़ने वाली सड़क किनारे लगी झाड़ियां राहगिरों और स्थानीय लोगों के लिए परेशानी का सबब बनी हुई है। विभाग की यह लापरवाही हादसों का कारण बन सकती है। अमहट से मेडिकल कॉलेज दूबेपुर को जोड़ने वाली सड़क किनारे खड़े झाड़ियों के पेड़ आमजन के लिए परेशानी का सबब बन रहे हैं। झाड़ियों में सामने से आने वाले वाहन दिखाई नहीं देने का कारण हादसों का अंदेशा बना हुआ है। आस पास के लोगों ने सड़क किनारे खड़ी झाड़ियों को हटाने की मांग की है। वहीं राहगीर मोहित तिवारी ने बताया कि रोड के दोनों तरफ अधिक संख्या में झाड़ियां उग जाती है, जो सड़कों के किनारे होने से आमजन को काफी परेशानी उठानी पड़ रही है। उन्होंने बताया कि सड़क के किनारे झाड़ियों के उगे होने से सामने से आने वाले वाहन दिखाई नहीं देते हैं, जिसके चलते आए दिन हादसे हो रहे हैं। धीरेन्द्र प्रताप सिंह ने बताया सड़क की पटरियों पर झाड़ियां उग आई हैं। इससे जीव झाड़ियों में छिपे रहते हैं और अचानक सड़क पर आ जाते हैं। इससे दुर्घटना होने की आशंका बनी रहती है। झाड़ियों की सफाई हो जाने से दुर्घटना की आशंका कम हो जाएगी। लोगों ने झाड़ियों की सफाई कराने की मांग की है। आपको बता दें दो–तीन दिन पूर्व ही एक गाड़ी को सामने से आ रहा वाहन दिखाई नहीं देने के कारण उसका संतुलन बिगड़ गया, जिससे वह सड़क किनारे खेत में जा गिरी। जिससे गाड़ी चालक को चोटें भी आई थी तथा गाड़ी छतिग्रस्त हो गई थी।

ाकायतों के निस्तारण में लापरवाही कदापि न बरतें

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी संजीव रंजन ने कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनसुनवाई के दौरान दूर–दराज से आये हुये फरियादियों की शिकायतों को गम्भीरतापूर्वक सुनकर सम्बन्धित अधिकारियों को प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध तरीके से निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिये।

➤ जिलाधिकारी ने जनसुनवाई के दौरान दूर–दराज से आये हुये ाकायतकर्ताओं की सुनी समस्याएं,

शिकायतकर्ता राजेन्द्र वर्मा निवासी दीनापुर थाना मानधाता शिकायत किया कि प्रार्थी के घर आने–जाने का रास्ता पैतृक आबादी से है जिस पर विपक्षीगण शिव बहादुर वर्मा व प्रदीप वर्मा गुन्डई के बल पर आने–जाने के रास्ता को काट लिये है तथा कटीला तार तथा घास–फूस रख दिये है, प्रार्थी को मोटर–साइकिल व आने जाने की कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है, इस प्रकरण पर जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकार लालगंज एवं एसएचओ मानधाता को निर्देशित किया है कि जांच करें एवं सुनिश्चित करायें कि रास्ता अवरूद्ध न हो। शिकायतकर्ता शीतला प्रसाद निवासी गोड़े ने शिकायत किया कि प्रार्थी अपनी आबादी में हैण्ड पाइप लगा रहा है तो विपक्षीगण लखन लाल, बी0एल0 सिंह, शिवनायक सिंह, दीपू सिंह द्वारा अवरोध उत्पन्न किया जा रहा है, इस प्रकरण पर जिलाधिकारी ने एसएचओ कोतवाली नगर को निर्देशित किया है कि हैण्डपम्प को उचित जगह पर लगाने में अवरोध न हो और दोषियों के विरूद्ध कार्यवाही की जाये। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त राजस्व शिकायतों के सम्बन्ध में जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम मौके पर जाकर निष्पक्ष जांच कर, शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण ढंग से करें जिससे शिकायतकर्ता को इधर–उधर भटकना न पड़े। उन्होने अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया है कि जनकल्याणकारी योजनाओं से पात्र व्यक्तियों को लाभान्वित करें, कोई भी पात्र व्यक्ति योजना से वंचित न रहें इसका विशेष ध्यान दें। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि जनता की शिकायतों को शासन की मंशानुरूप गुणवत्तापूर्ण निस्तारण ससमय करायें, शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही कदापि न बरती जाये।

एग्जिबिशन का हुआ आयोजन

बच्चों को पढ़ाई के साथ अध्यात्म से जोड़ें शिक्षकरू डीएम

चित्रकूट (आरएनएस)। संत थॉमस सीनियर सेकेंडरी स्कूल में साइंस एंड आर्ट एग्जिबिशन क्षितिज का शुभारंभ बतौर मुख्य अतिथि डीएम शिवशरणप्पा जीएन एवं संयुक्त जिला चिकित्सालय की चिकित्साधिकारी डॉ तनुषा टीआर ने फीता काटकर किया। विशिष्ट अतिथि डीसीबी अध्यक्ष पंकज अग्रवाल, स्कूल के मैनेजर फादर टी अरुल राज मौजूद रहे।

एग्जीबिशन क्षितिज में छात्राओं ने स्वागत गीत के उपरांत पूरे देश की अलग–अलग भाषाओं, वेशभूषा एवं बोलियों पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए। बिजनेस एवं कम्यूनिकेशन, स्पोर्ट, योगा, कंप्यूटर लिटरेचर, फोटोग्राफी, कॉमर्स, आर्ट एंड क्राफ्ट, मैथ्स, सोशल साइंस, फिजिकल एजुकेशन व कला प्रदर्शनी छात्र–छात्राओं ने प्रदर्शित किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य फादर डेनिस एम ने मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि को पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। डीएम ने विद्यार्थियों से कहा कि जितने भी कार्यक्रम आयोजित होते हैं उसमें जरूर सहभागिता करें। शिक्षा के साथ अपनी पर्सनालिटी पर भी ध्यान दें। कहा कि अब डिजिटल युग में है जो एक लंबा गैप रहा। जिसकी कमियों को पूरा करते हुए आगे बढ़े हैं। कहा कि अब बच्चे दिल्ली, मुंबई कहीं भी बैठकर इंटरनेट के माध्यम से पढ़ सकते हैं। इंटरनेट का इस्तेमाल अपने उज्जवल भविष्य के लिए करें। उन्होंने कहा कि

माता–पिता का आदर सम्मान करें। कहीं गयी बातों को गंभीरता से माने। माता–पिता, अध्यापक बेहतर भविष्य के लिए बताते हैं। उन्होंने अध्यापकों से भी कहा कि बच्चों पर अधिक दबाव न दें। छात्र जिस क्षेत्र में जाना चाह रहे है उसे जाने दे। उन्होंने कहा कि आज कंपटीशन के युग में छात्र टेंशन में रहते हैं। जबकि ऐसा नहीं होना चाहिए। कहा कि अभिभावक व अध्यापक को चाहिए कि छात्र–छात्राओं को पढ़ने के साथ अध्यात्म से जोड़कर अपनी संस्कार को भी बढ़ाना चाहिए। उन्होंने कहा कि एक अच्छे नागरिक को क्या करना चाहिए यह भी अध्यापक बताएं। इस अवसर पर शिक्षक, छात्र, छात्राएं मौजूद रहे।

प्रदर्शन कर प्रशासन को सौंपा ज्ञापन

कौशाम्बी। महिला आंगनबाड़ी कर्मचारी संघ की प्रदेश कार्यवाहक अध्यक्ष माया सिंह की अगुवाई में जनपद के सभी ब्लॉक क्षेत्र की आंगनबाड़ी, कार्यकत्रियों ने विभिन्न मांगों से संबंधित ज्ञापन जिला प्रशासन को सौंपा है। ज्ञापन के माध्यम से अध्यक्ष माया सिंह ने मांग किया है कि शासन द्वारा 62 वर्ष पूर्ण होने पर सेवा निवृत करने का आदेश जुलाई 2020 में जारी किया गया किंतु सीडीपीओ द्वारा आयु सीमा अपूर्ण होने के बावजूद जबरन सेवा समाप्त कर दिया गया है। इसके अलावा भी सीडीपीओ द्वारा आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों को परेशान किया जाता है। सरसवां परियोजना की पूरब शरीरा से सहायिका को भी कार्यकाल अपूर्ण होने पर मानदेय रोक दिया गया है। जिससे वह भूखमरी की कगार पर पहुंच गई है। सिराथू के सीडीपीओ द्वारा फूला देवी की आयु अपूर्ण होने पर उसे भी कार्य से सेवा समाप्त की गई। ऐसा ही मामला मालक पिंजरे में भी हुआ है। आंगनबाड़ियों से प्रमोशन के नाम पर धन उगाही की जा चुकी है। ज्ञापन के माध्यम से समस्याओं से निजात दिलाए जाने की मांग की है। ज्ञापन सौंपने के दौरान जिला उपाध्यक्ष संजना दीक्षित, प्रेमा देवी, अर्चना देवी, संगीता देवी, पूजा देवी, मंजू सिंह आदि मौजूद रहें।

बेटे यदि बेटे की भूमिका निभाएं तो सुरक्षित रहेंगी बेटियांरू एसपी

चित्रकूट (आरएनएस)। एसपी अरुण कुमार सिंह ने नोडल अधिकारी महिला शक्ति क्षेत्राधिकारी राजापुर जयकरन सिंह की उपस्थिति में यातायात माह नवम्बर जागरूकता अभियान के अन्तर्गत थाना पहाड़ी के हरिमोहन सिंह इण्टर कॉलेज बछरन में माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने छात्र, छात्राओं को यातायात नियमों, मिशन शक्ति अभियान व साइबर अपराध के सम्बन्ध में जागरूक किया।

एसपी ने बताया कि प्रदेश सरकार की मिशन शक्ति अभियान महत्वाकांक्षी योजना है। इसके तहत बेटियों और बेटे दोनो को जागरूक करते है। बेटे और बेटी दोनों बचाने की जरूरत है। बेटे यदि बेटे की भूमिका में रहेगें तो समाज की बेटिया सुरक्षित व पूज्यनीय रहेगी। इस समाज में यदि कोई देवी देवता जिन्दा है तो माता, पिता तथा गुरुजन हैं जो सही दिशा में ले जाने का कार्य करते रहते है। उन्होंने छात्र, छात्रओं को सुरक्षा सेवाएं यूपी 112, वूमेन पावर लाइन 1090, यूपी कॉप एप, 181 महिला हेल्प लाइन, 1076 मुख्यमंत्री हेल्प लाइन, 1098 चाइल्ड हेल्प लाइन, 102 स्वास्थ्य सेवा, 108 एम्बूलेन्स सेवा, 1930 साइबर हेल्पलाइन के बारे में जानकारियां दी। बताया कि सभी थानों में महिलाओ की सुरक्षा सहायता को महिला हैल्प डेस्क बनाया गया है। जहाँ पर महिला पुलिसकर्मी महिलाओं की शिकायत सुनती हैं। समय से उनका निस्तारण किया जाता है। इस मौके पर हेल्प लाइन नम्बरों के पंपलेट वितरित किए गए। बताया गया कि निर्भीक होकर उपयोग करें। इसी क्रम में एंटी रोमियो स्क्वायड टीम के बारे में अवगत कराया गया।पुलिस अधीक्षक ने यातायात नियम संकेत सिग्नल के बारे में जागरुक किया। कहा कि ओवर स्पीडिंग न करें। दो पहिया वाहन चलाते समय सदैव हेलमेट का प्रयोग व तीन सवारी को न बैठाएं। चार पहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट का प्रयोग करें। स्टंट खतरनाक ड्राइविंग न करने, दुर्घटना में घायल व्यक्ति की तुरंत मदद, नशे की हालत में वाहन न चलाने, लेन ड्राइविंग व अत्यधिक तेज हार्न का प्रयोग न करने आदि नियमों के संबंध में जागरुक किया।

छेड़छाड़ से तंग युवती के भाई ने सिरफिरे को गोली से उड़ाया, मुठभेड़ में हुआ घायल

मेरठ(आरएनएस)। देर रात लोहिया नगर थाना क्षेत्र में बहन से छेड़छाड़ करने वाले एक युवक की युवती के भाई ने गोली मार कर हत्या कर दी। घटना के चंद घंटे बाद ही पुलिस ने आरोपी को पैर में गोली मारकर धर दबोचा। जिसके कब्जे से हत्या में प्रयुक्त पिस्टल भी बरामद कर ली गई है। आरोपी का एक साथी फरार है, जिसकी तलाश जारी है।बताया जाता है कि जाहिदपुर के रहने वाले साजिद पुत्र जमील अंसारी की बहन के साथ गांव का ही रहने वाला साजिद अल्वी पुत्र महबूब अक्सर छेड़छाड़ करता था। जिसको लेकर दोनों पक्षों के बीच कई बार कहासुनी हुई। मंगलवार की देर रात युवती के भाई साजिद अंसारी ने छेड़छाड़ करने वाले युवक साजिद अल्वी को मिल्लत होटल के पास मिलने के लिए बुलाया।जहां साजिद अंसारी और उसके दोस्त आफताब ने साजिद अल्वी को जमकर शराब पिलाई और बाद में उसकी खूब पिटाई की। इसी दौरान दोनों आरोपियों ने साजिद अल्वी की गोली मारकर हत्या कर दी और मौके से फरार हो गए। घटना के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच दिया। मौके पर पहुंची पुलिस द्वारा मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। एसपी सिटी आयुष विक्रम सिंह ने बताया कि पुलिस की दो टीम देर रात आरोपियों की तलाश में जुटी थीं। इसी दौरान शॉप्रिक्स मॉल के निकट बाइक सवार साजिद और उसके साथी आफताब को रोका गया तो उन्होंने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस की जवाबी फायरिंग में आरोपी साजिद अंसारी पैर में गोली लगने से घायल हो गया जबकि उसका दूसरा साथी मौके से फरार हो गया। साजिद के पास से साजिद अल्वी की हत्या में प्रयुक्त 32 बोर की पिस्टल–कारतूस और एक बाइक बरामद की गई है।

वन स्टाप सेंटर में महिलाओं को सुनाई गई प्रेरक कहानियां

चित्रकूट(आरएनएस)। बाल संरक्षण अधिकारी सौरभ सिंह ने बताया कि मिशन शक्ति विशेष अभियान फेज–5 कार्यक्रम वीरांगना दिवस मेगा ईवेन्ट अभियान वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई को प्रेरणा स्रोत मानकर प्रदेश में रानी लक्ष्मीबाई की वीरगाथा पर मनाया गया। उनकी वीरगाथा की कहानियों जीवन वृतांत को स्वीकार करने के उद्देश्य से उनके सम्मान में वन स्टाप सेन्टर चित्रकूट में समाजसेवी महिलाओं द्वारा समाज में लाये गये बदलाओं एवं उनके द्वारा किये गये प्रयास प्रेरक कहानियों पर पुरस्कृत किया गया।

जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन के निर्देश के कम में जिला प्रोबेशन अधिकारी पंकज कुमार मिश्र की उपस्थिति में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। मिशन शक्ति विशेष अभियान के चरण पांचवे का आयोजन वन स्टाप सेन्टर में किया गया। वीरांगना दिवस मेगा ईवेन्ट अभियान कार्यकम में जनपद की समाजसेवी महिलाओं के साथ उनके प्रयासों से समाज में महिलाओं के प्रति उत्साहवर्धक जो परिणाम आये है उनकी जुबानी सुनकर गोष्ठी में उपस्थित महिलाओं द्वारा सराहना किया गया। समाजसेवी महिलाओं की प्रेरणा स्रोत कहानियों की चर्चायें की गई। उपस्थित महिलाओं में आपसी बातचीत (टॉक शो) आयोजित हुआ। जिसमें सभी ने अपने व्यक्तिगत अनुभव साझा किये और महिलाओं को समाज की मुख्यधारा में जोड़ने पर बल दिया। कार्यकम में जिला प्रोबेशन अधिकारी ने माया देवी, संगीता करवरिया, मीना देवी, मीना श्रीवास्तव, रजनी देवी, नीलम गुप्ता, सावित्री देवी, रंजीता द्विवेदी, अर्चना साहू, पुष्पा देवी, गीता देवी एवं महिला आरक्षी स्वाती रजावत, दीपा सिंह आदि को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

अमृत कलश टाइम्स
हिन्दी दैनिक

भारतीय रेल में सर्वश्रेष्ठ लॉबी ''लॉबी प्रयागराज''

प्रयागराज। भारतीय रेल के एडिशनल मेंबर ट्रैक्शन रेलवे बोर्ड विजय प्रताप सिंह ने प्रयागराज लॉबी के निरीक्षण के दौरान संरक्षा संगोष्ठी में संबोधित करते हुए, कुहासे में संचालन व महाकुंभ के आयोजन में प्रयागराज संयुक्त लाबी में रनिंग कर्मियों को संरक्षित संचालन हेतु सदैव सतर्क एवं प्रसन्नचित्त होकर नौकरी करने हेतु सलाह दी ! उन्होंने संरक्षा के प्रति

प्रयागराज लाबी में जागरुकता,तकनीकी ज्ञान,औचक निरीक्षण व तनाव रहित संचालन हेतु विविध व्यवस्थाएं तथा उपस्थित रनिंग कर्मचारियों के सन्तुष्टि सूचकांक पर प्रसन्नता जाहिर करते हुये प्रयाग राज लाबी को भारतीय रेल की सर्वश्रेष्ठ लाबी की संज्ञा दी। रेलवे बोर्ड कमेटी द्वारा रनिंगरूम प्रयागराज को भारतीय रेल की सर्वश्रेष्ठ रनिंगरूम चयनित किया गया है। रेलवे बोर्ड के एडिशनल मेंबर ट्रैक्शन विजय प्रताप सिंह द्वारा लाबी व रनिंगरूम प्रयागराज के विविध उत्कृष्ट व्यवस्था पर पुरस्कार की घोषणा करते हुये अन्य मुख्यालयों को इसी मानक पर रखने हेतु सलाह भी दी। संरक्षा संगोष्ठी में प्रमुख मुख्य बिजली इंजीनियर उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज, मंडल रेल प्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज, मुख्य बिजली लोको इंजीनियर उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज, वरिष्ठ मंडल बिजली इंजीनियर उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज एवं अन्य रेलवे के अधिकारीगण व लगभग 75 रनिंग कर्मियों ने भाग लिया । संगोष्ठी के मुख्य अतिथि विजय प्रताप सिंह ने रनिंग कर्मियों को नशे से दूर व दृश्यता के अनुरूप गति रखने की सलाह दी। मुख्य चिकित्साधिकारी ने रनिंग कर्मचारियों को अपने आहार में फलों के सेवन करने के साथ–साथ ठंड से बचाव करने की सलाह दी। मंडल रेल प्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज श्री हिमांशु बडोनी जी ने जीवन में खुश रहने के महत्व को समझाते हुये कुम्भ के दौरान रनिंग कर्मियों की बेहतर सुविधा के लिये महतवपूर्ण सुझाव भी दिये,प्रमुख मुख्य बिजली इंजीनियर उत्तर मध्य रेलवे अनूप अग्रवाल ने रनिंग कर्मचारियों से संवाद करते हुए संरक्षित संचालन हेतु रनिंग कर्मियों से लाइन पर आने वाली समस्याओं के बारे में वृहद् चर्चा की तथा सारी समस्याओं पर त्वरित कार्यवाही का आश्वाशन दिया साथ ही अपनी ड्यूटी को खुशी के लिए ना करके खुशी से करने का मंत्र दिया। कार्यक्रम का संचालन मुख्य क्रू नियंत्रक (सामान्य) प्रयागराज वासुदेव पाण्डेय द्वारा किया।

नगर निगम ने चलाया प्लास्टिक मुक्त , स्वच्छ एवं सुंदर महाकुंभ अभियान

प्रयागराज । महाकुंभ 2025 को स्वच्छ, सुंदर और प्लास्टिक मुक्त बनाने के उद्देश्य से नगर निगम प्रयागराज द्वारा अभियान चलाया जा रहा है । सोमवार को जोन 04 में हैजा जोन ऑफिस के अंतर्गत विवेकानंद पार्क सर्वेक्षण क्षेत्र में नगर निगम की प्ब सृष्टि टीम द्वारा रहवासियों को घर–घर जाकर जागरूक किया गया । टीम ने घर घर जाकर लोगों को विशेष पोस्टकार्ड प्रदान किया, जिसमें प्लास्टिक का उपयोग को बंद करने और पर्यावरण अनुकूल विकल्प अपनाने का अनुरोध ा लिखा गया । टीम ने लोगों से महाकुंभ को स्वच्छ और सुंदर और प्लास्टिक मुक्त बनाने में अपील भी की । नगर निगम की ओर से सोमवार को वार्ड नं 55 तेलियरगंज में हर दुकान दस्तक अभियान हाथीसुंड से लेकर पेट्रोल पंप तक निकाला गया. अभियान में दुकानदारों को डस्टबिन का प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया गया । इसके साथ ही ग्राहकों से भी अनुरोध किया गया कि कूड़ा डस्टबिन में ही डालें।

महाकुम्भः शंकराचार्य शिविर का वैदिक विधि-विधान से पूजन

प्रयागराज। श्रीकाशी सुमेरु पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी नरेन्द्रानन्द सरस्वती जी महाराज ने शिविर हेतु आवन्टित भूमि का पूजन किया। महाकुम्भ 2025 की निर्विघ्न सम्पन्नता की कामना से नवग्रह, चौसठ योगिनी, गंगा, यमुना, त्रिवेणी के साथ

पृथ्वी का सम्पूर्ण वैदिक विधि–विधान से पूजन किया गया । पूजनोपरान्त शंकराचार्य जी महाराज ने कहा कि यहाँ सृष्टिकर्ता ब्रह्माजी ने सृष्टि कार्य पूर्ण होने के बाद प्रथम यज्ञ किया था । इसी प्रथम यज्ञ के श्प्रश और श्यागश अर्थात यज्ञ से मिलकर प्रयाग बना और इस स्थान का नाम प्रयाग पड़ा । इस पावन नगरी के अधिष्ठाता भगवान श्री विष्णु स्वयं हैं, और वे यहाँ वेणीमाध व रूप में विराजमान हैं । भगवान के यहाँ बारह स्वरूप विद्यमान हैं, जिन्हें श्द्वादश माधवश कहा जाता है । इस अवसर पर स्वामी प्रकृष्टानन्द सरस्वती, स्वामी बृजभूषणानन्द सरस्वती सहित श्री पंच दशनाम जूना अखाड़ा के अनेक श्री महन्त, थानापति एवम् सन्यासी के साथ साथ सुनील शुक्ल, विनोद त्रिपाठी, पं० त्रयम्बक द्विवेदी, श्री शंकराचार्य वेद महासंस्थानम् के बटुक स्वामी बृजभूषणानन्द सरस्वतीउपस्थित रहे।

उत्तर मध्य रेलवे
निविदा (आवेदन) नोटिस सं: सीएम-1/एटीवीएम/फैसीलिटेटर/महाकुम्भ मेला/पार्ट-II/प्रयागराज/2025
दिनांक: 16.12.2024
तृतीय शुद्धि पत्र
कार्य का विवरणः- प्रयागराज जं. (संगम एरिया सहित), सूबेदारगंज, नैनी एवं प्रयागराज-छिवकी स्टेशनों पर महाकुम्भ मेला 2025 हेतु लगायी जाने वाली अतिरिक्त ATVM के संचालन हेतु Facilitator की नियुक्ति के संबंध में।
पूर्व प्रकाशित
निविदा (आवेदन) फार्म बिकने की तिथि एवं समयः समाचार पत्रों में प्रकाशित होने की तिथि से 16.12.2024 को 11.00 बजे तक।
निविदा (आवेदन) फार्म डालने की तिथि एवं समयः समाचार पत्रों में प्रकाशित होने की तिथि से 16.12.2024 को 13.00 बजे तक।
निविदा खोलने की संशोधित तिथि
निविदा (आवेदन) फार्म बिकने की तिथि एवं समयः समाचार पत्रों में प्रकाशित होने की तिथि से 26.12.2024 को 11.00 बजे तक।
निविदा (आवेदन) फार्म डालने की तिथि एवं समयः समाचार पत्रों में प्रकाशित होने की तिथि से 26.12.2024 को 13.00 बजे तक।
निविदा (आवेदन) फार्म खुलने की तिथि एवं समयः दिनांक 26.12.2024 को 15.00 बजे।
महाकुम्भ 2025 रेलवे टोल फ्री नं.
1800 4199 139
1827/24(A)
North central railways | @CPRONCR

एनसीआरः सूबेदारगंज रेल्वे स्टेशन को ''सर्टिफिकेट ऑफ मेरिट''

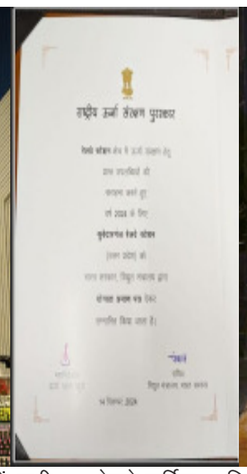

प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे द्वारा विभिन्न ऊर्जा दक्ष तकनीकी उपायों प्रयासों द्वारा क्षेत्रीय रेलवे की प्रतिस्पर्धा में इस वर्ष दो पुरस्कार झोली में आए है। इसमें उत्तर प्रदेश नवीन एवं नवीनीकरण ऊर्जा विकास अभिकरण (यूपीनेडा) द्वारा आयोजित "उत्तर प्रदेश राज्य ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार–2024" का "प्रथम पुरस्कार" प्राप्त कर अन्य निकायों के समक्ष अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। यह पुरस्कार 14.12.2024 को लखनऊ में आयोजित ऊर्जा संरक्षण दिवस–2024 के समारोह में श्री कुलदीप कुमार, उप मुख्य बिजली अभियंताध्सामान्यध्ड.म.रे. तथा श्री प्रवीण नेवालकर, वरिष्ट खंड अभियंताध्ड्रॉइंगध्मुख्यालय के द्वारा ग्रहण किया गया। इसके अतिरिक्त ठम्म द्वारा आयोजित "राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार–2024" में सूबेदारगंज रेल्वे स्टेशन को "सर्टिफिकेट ऑफ मेरिट" से पुरस्कृत किया गया। यह पुरस्कार दिनांक 14.12.2024 को नई दिल्ली में आयोजित ऊर्जा संरक्षण दिवस–2024 के समारोह में श्री अखिलेश कुमार, उप मुख्य बिजली अभियंताध्मुख्यालय के द्वारा ग्रहण किया गया। ऊर्जा संरक्षण को प्रतिबद्ध उत्तर मध्य रेलवे द्वारा 12.47 मेगावाट का सोलर पावर प्लांट, सभी 411 रेलवे स्टेशनों, सभी 265 रेलवे सर्विस बिल्डिंग एवम सभी रेल आवासों में शत प्रतिशत ऊर्जा दक्ष स्म्क ट्यूबलाइट, ठस्क्रू पंखे व 5 स्टार रेटिंग के एयर कंडीशनर लगाए गए। इससे वर्ष 2023–24 में 16 मिलियन यूनिट ऊर्जा की बचत व रेलवे राजस्व में 14.4 करोड़ रुपये की बचत हुई । जिसके फलस्वरूप वर्ष 2023–24 में 14544 मेट्रिक टन कार्बन–डाई–ऑक्साइड का उत्सर्जन रोक गया। वर्ष 2023–24 में सोलर पावर प्लांट द्वारा 11.8 मिलियन यूनिट तथा वर्ष 2024–25 (अप्रैल–नवंबर) में 8.3 मिलियन यूनिट सस्ती एवम पर्यावरण अनुकूल बिजली उत्पन्न की गई। इससे वर्ष 2023–24 में रु. 4.93 करोड़ तथा 2024–25 (अप्रैल–नवंबर) में रु. 3. 69 करोड़ के राजस्व की बचत की गई। जिसके फलस्वरूप वर्ष 2023–24 में 9921 मेट्रिक टन तथा 2024–25 (अप्रैल–नवंबर) में 6938 मेट्रिक टन कार्बन–डाई–ऑक्साइड का उत्सर्जन रोक गया। सम्पूर्ण उत्तर मध्य रेलवे में 3285.366 रूट किलोमीटर में शत प्रतिशत पर विद्युतीकरण करने से डीजल की खपत में एवं समय में 98ः प्रतिशत की कमी आई जिससे रेल राजस्व की बचत हुई । इसके अतिरिक्त 3 फेज एसी लोकोमोटिव के द्वारा रीजेनरेटिव ब्रेकिंग के माध्यम से 24.38 करोड़ यूनिट बिजली की बचत हुई जिससे रेल राजस्व में 146.3 करोड़ रुपए की बचत हुई है इसके अतिरिक्त कोच लाइटिंग में भ्व्ळ के द्वारा बिजली प्रदान करने से पावर कार की डीजल खपत में वर्ष 2023–24 में 6294 किलो लीटर की कमी आई है जिससे रेल राजस्व में 55.4 करोड़ रुपए की बचत हुई है । इस अवसर पर प्रमुख मुख्य बिजली इंजीनियर, उत्तर मध्य रेलवे श्री अनूप कुमार अग्रवाल द्वारा सभी विद्युत विभाग की टीम को उनके सराहनीय योगदान हेतु बधाई दी गईद्य जिसमे इसको सफल बनाने में के निर्देशन में मुख्य बिजली इंजीनियरध्ऊर्जा प्रबंधन श्री के. एम. सिंह एवं उनकी टीम का विशेष आभार व्यक्त किया द्य उत्तर मध्य रेलवे हरित ऊर्जा के सतत उपयोग हेतु प्रतिबद्ध हैप् इसी दिशा में वर्ष 2024–25 में 17.84 मेगावाट के सोलर संयंत्र लगाने हेतु रेलवे बोर्ड द्वारा कार्य स्वीकृत किये गए है, जोकि वर्ष 2025–26 तक पूर्ण हो जायेगेप् जिससे उत्तर मध्य रेलवे की कुल हरित ऊर्जा की सालाना अनुमानित उत्पादन क्षमता 32.3 मिलियन यूनिट (डन) हो जाएगी। इससे 27187 मीट्रिक टन कार्बन उत्सर्जन में कमी आएगी और रु. 14. 9 करोड़. राजस्व की बचत होगीप्

आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित नवीनीकृत कक्ष का शुभारंभ

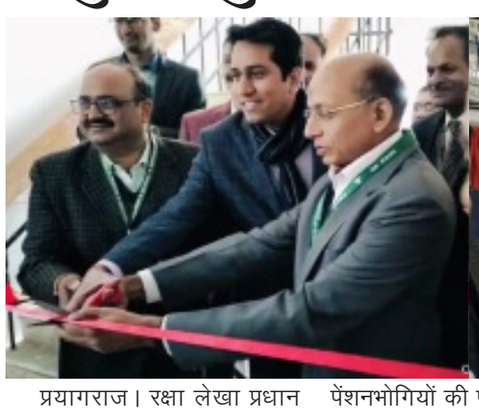

प्रयागराज। रक्षा लेखा प्रधान नियंत्रक (पेंशन) कार्यालय, प्रयागराज में स्पर्श (सिस्टम फार पेंशन एडमिनिस्ट्रेशन–रक्षा) पेंशन प्रणाली के लिए आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित और नवीनीकृत कक्ष का उद्घाटन श्री संदीप सरकार (भा.र.ले.से.), रक्षा लेखा प्रधान नियंत्रक द्वारा किया गया। कार्यालय के माध्यम से लगभग 30 लाख रक्षा पेंशनभोगियों की पेंशन का भुगतान स्वचालित और कम्प्यूटरीकृत स्पर्श प्रणाली द्वारा किया जाता है। इस प्रणाली के तहत पेंशन की मंजूरी, संवितरण, पुनरीक्षण और उसका लेखांकन पूर्णतः स्वचालित रूप से संपन्न होता है। सरकार द्वारा 1 जुलाई 2024 से पूर्व सैनिकों के लिए घोषित श्वन रैंक, वन पेंशन–3श का पुनरीक्षण स्पर्श प्रणाली के माध्यम से अतिशीघ्रता से संपन्न किया गया। इस पहल ने पेंशनभोगियों को समय पर सही भुगतान सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। रक्षा लेखा प्रधान नियंत्रक (पेंशन) कार्यालय रक्षा पेंशनभोगियों की शिकायतों के त्वरित निस्तारण और उन्हें उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।सन् 1947 से प्रयागराज में स्थित इस कार्यालय में लगातार आधुनिकीकरण का कार्य किया जा रहा है। इसमें नए कम्प्यूटर, हाई–स्पीड कनेक्टिविटी और आधुनिक कार्यालय ढांचा उपलब्ध कराया गया है। इन उन्नत सुविधाओं से स्पर्श प्रणाली को अधिक प्रभावी बनाने में सहायता मिलेगी, जिससे पेंशनभोगियों को समय पर और सही पेंशन सुनिश्चित करने के उद्देश्य को मजबूती मिलेगी।

जीएचएसः क्रिसमस फन फेयर मेले का आयोजन

प्रयागराज। गर्ल्स हाई स्कूल एवं कॉलेज में बहुप्रतिक्षित क्रिसमस फन फेयर मेले का उद्घाटन रोटरी रायल्स की सचिव आलोशी अग्रवाल के कर कमलों एवं प्रधानाचार्या के स्वागत भाषण से हुआ। इस मेले से प्राप्त धनराशि का उपयोग वंचितों और गरीबों की आर्थिक मदद के लिए किया जाता है। विद्यालय का प्रांगण क्रिसमस कार्निवल एवं बच्चों की मौज–मस्ती और उन्मुक्त खिलखिलाहट से गुजित था। सभी स्टॉल सुन्दर व कलात्मक ढंग से सुसज्जित थे जिसे देखकर बच्चे अति उत्साही थे। अपनी रचनात्मकता से ये स्टॉल बेहद खूबसूरत लग रहे थे जिसके कारण बच्चें इनकी ओर आकर्षित हो रहे थे। बर्गर, पिज्जा, चाउमीन, छोले–भटूरे, पूरी–कबाब, आईसक्रीम और शीतल पेय पदार्थों से सज्जित ये खाद्य स्टॉल बच्चों को अपनी ओर आंमत्रित कर रहे थे। खेलों से सम्बन्धित भी अनेक स्टॉल पे जैसे फैंसी डिप, फैंसी स्टॉल, हंग्री टॉम आदि इन पर भी बच्चों की भीड़ देखी जा सकती थी। सभी प्रकार के स्टॉलों पर बच्चों की उमंग एवं उत्साह देखते ही बनती थी, बच्चों को बार–बार खेलने के लिए उत्साहित करती थी। खाद्य पदार्थों एवं खेलों से सम्बन्धित स्टॉलों के अतिरिक्त छात्राओं के बीच सबसे ज्यादा आकर्षण का केन्द्र श्डिस्को दिवानेश था जहाँ संगीत की मधुर ध्वनि पर थिरकती हुई छात्राओं की मस्ती ने पूरे सभागार को जादुई करिश्मे से भर दिया था। क्रिसमस कार्निवल का आयोजन दो चरणों में किया गया था। प्रातःकालिन बेला में जूनियर कक्षा की छात्राओं के लिए तथा मध्याहन की बेला में मिडिल स्कूल से लेकर कॉलेज विभाग की छात्राओं हेतु आयोजित किया गया था। कार्यक्रम के समापन का मुख्य आकर्षण केन्द्र था लकी ड्रॉ जिसकी कर्निवल में उपस्थित प्रत्येक सदस्य प्रतीक्षा कर रहा था। लकी ड्रॉ कूपन के विजेता निम्नलिखित प्रतिभागी थे। 1. प्री–प्राइमरी प्रथम पुरस्कार–ट्राई साईकल आइजा फातिमा–यू०के०जी०–ए द्वितीय पुरस्कार–टैब आरिका सिंह यू०के०जी०–डी 2 जूनियर स्कूल प्रथम पुरस्कार–मोबाइल फोन–उमरा फातिमा अहमद–2–बी द्वितीय पुरस्कार–साईकिल–शिवि सिंह–1–ई 3. मिडिल स्कूल प्रथम पुरस्कार–मोबाइल फोन–वंशिका मौर्या–7–डी द्वितीय पुरस्कार–साईकिल रिद्धी अग्रवाल –जी 4 सीनियर स्कूलप्रथम पुरस्कार–मोबाइल फोन अंशिका पाठक–9–बी द्वितीय पुरस्कार–साईकिल अमिशि केसरवानी–11–ए 5. अध्यापकगण प्रथम पुरस्कार–एल०ई०डी० टी०वी० श्रीमती शाइनी पॉल द्वितीय पुरस्कार–श्रीमती जया वैसली 6. ऑफिस स्टॉफ प्रथम मोबाइल फोन–श्री एन०ए० खाँन द्वितीय–वाशिंग मशीन रेव्ह० डॉ० विनीता इसूबियस 5. ओवरऑल विजेता प्रथम पुरस्कार–माईक्रोवेब–रिदा नसीब–3–ई द्वितीय पुरस्कार–अलिका वैश्य–7–सी सायं चार बजे रंगारंग क्रिसमस कर्निवल का समापन हुआ जिसने छात्राओं को मधुर समृतियों में खो दिया। क्रिसमस कर्निवल को मनोरंजक एवं आकर्षक बनाने के लिए विद्यालय की प्रधानाचार्या ने सभी शिक्षकगणों, कर्मचारियों एवं छात्राओं के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। क्रिसमस कर्निवल न केवल मनोरंजक व मस्तीभरा कार्यक्रम होता है अपितु इसका उद्देश्य समातज के अन्य लोगों के जीवन में भी उजाला लाना होता है। यह दिन अविस्मरणी था।

स्त्रीवाद वर्चस्व के खिलाफ मुक्ति का आंदोलन है

प्रयागराज। हिंदी एवं आधुनिक भारतीय भाषा विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय में आज शताब्दी व्याख्यान के अंतर्गत आलोचक व कथाकार प्रोफेसर रोहिणी अग्रवाल श्स्साहित्य की स्त्री दृष्टिश, विषय पर व्याख्यान देने के लिए उपस्थित थीं। स्वागत उपरांत व्याख्यान के शुरुआत में ही उन्होंने स्त्रीवादी आंदोलन के सन्दर्भ में टिप्पणी करते हुए बताया कि यह मूलतः

वर्चस्व के खिलाफ मुक्ति का आंदोलन है। और यह वर्चस्व पितृसत्ता के रूप में है। वर्चस्व से यह लड़ाई केवल स्त्री के लिए नहीं स्त्री और पुरुष दोनों की मुक्ति के लिए है। और यह कार्य तलवार की धार पर चलने जैसा दुर्गम और दुर्साध्य है। यह लड़ाई व्यवथा के खिलाफ लड़ाई हैय और व्यवस्था में सुरक्षाबोध है, जो इस लड़ाई को और भी अधिक कठिन बना देता है। पितृसत्ता को समझाते हुए उन्होंने बतायाय जैसे किसी भी विषय को समझने के लिए बहुआयामी ज्ञान आवश्यक होता है वैसे ही पितृसत्ता को भी हमें उसके अलग अलग स्तरों के साथ समझना होगा। यह पितृसत्ता कई स्तरों पर अपने आधार गृहण करती है। पहला है परिवार संस्था– परिवार के स्तर पर ही हम स्त्री पुरुष विभेद को चिह्नित कर सकते हैं। जैसे संतान के जन्म के समय अभी भी पुत्र की कामना की जाती है और लड़की होने पर श्चलो कोई बात नहीं लक्ष्मी आयी हैश। जैसे सांत्वना मूलक वाक्य के साथ लड़की के होने को कमतर दिखाया जाता है। अतः हमें सबसे पहले परिवार के स्तर पर ही, अन्य के सामने स्वयं को इंट्रोस्पेक्ट करना होगा। दूसरा है– विवाह संस्था। इसे तो प्रो रोहिणी ने श्स्त्री पराधीनता का वैध शास्त्र कह डालाश। जिसमें जाने के बाद प्रारम्भ से लेकर अंत तक स्त्री को पुरुष से कमतर ही माना जाता है, आश्रिता माना जाता है। उन्होंने कहा कि मेरिटल रेप वगैरह की बात किये बिना तो यह कहा ही नही जा सकता कि स्त्री अपनी चेतना के प्रति सजग है। तीसरा है– धर्म संस्थाय यह संस्था जो हमारे वजूद को बनाती है, जो संस्कृति को संरचना देती है। प्रो ने विभिन्न धर्म ग्रंथो में मौजूद प्रसंगो के संदर्भ भी दिए जिनमे मूलतः पुरुष को स्त्री के श्रेष्ठ दिखाया गया है। यही वह संस्था है जो सांस्कृतिक और धार्मिक प्रवंचनाओ को लिखती, गढ़ती हैय जिनके केंद्र में मनुष्य नहीं बस बनी बनाई व्यवस्था होती है। चौथी है– न्याय संस्था। जिसका जिक्र करते हुई उन्होंने बताया कि आज न्याय व्यवस्था यह यह मानती है कि घरेलू हिंसा ठीक नहीं है। परन्तु पहले ऐसा नहीं था.धार्मिक न्याय ग्रंथो में भी न्याय का पलड़ा कभी स्त्री के साथ नहीं रहा। जैसे अफगानिस्तान में धार्मिक न्याय संहिता लागू है और वहां पुरुष के बिना किसी भी स्त्री के सामाजिक जीवन को लगभग अवरुद्ध किया जा चुका है। इस तरह रोहिणी जी ने पितृसत्ता के विभिन्न आधारों को सामने रखा । आगे उन्होंने बताया कि स्त्री आधी दुनिया है और पुरुष आधी। दोनों की बात को एक साथ लेके चलना जरूरी है। पितृसत्ता भी दोनों को दमन समान रूप से करती है। अतः स्त्री विमर्श लैंगिक असमानता के विरोध में पितृसत्ता के खिलाफ खड़ी की गई एक साझी वैचारिक लड़ाई है। अपने व्याख्यान के बाद प्रो रोहिणी ने उपस्थित छात्रों के प्रश्नों को लेकर उनसे संवाद किया। जिसमें उन्होंने छात्र छात्राओं की जिज्ञासाओं को शांत किया तथा समसामयिक संदर्भों तक को लेते हुए, स्त्री विमर्श कैसे आगे जाना चाहिए इस बारे में भी चर्चा की। कार्यक्रम का संयोजन प्रो संतोष भदौरिया ने किया तथा अध्यक्षता प्रो प्रणय कृष्ण कर रहे थे।कार्यक्रम के संचालन का कार्य डॉ अमृता ने किया। कार्यक्रम में प्रमुख रुप से विभागाध्यक्षा प्रो लालसा यादव,प्रो भूरेलाल, प्रो राकेश सिंह, प्रो कल्पना वर्मा, प्रो अनीता गोपेश, प्रो सुधांशु मालवीय, रश्मि मालवीय, डा अशरफ अली बेग, डॉ सूर्यनारायण सिंह, प्रो.रामपाल गंगवार, डा शिवकुमार यादव, डा अपर्णा उपस्थित थे।

सम्पादक
सिद्धनाथ द्विवेदी
प्रबन्धक निदेशक
दीपक जयसवाल
सम्पादकीय कार्यालय
11ई/2, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के आधीन होगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सिद्धनाथ द्विवेदी द्वारा काम्पीटेंट बिजनेस सर्विसेज विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 399 कृष्णानगर कीडगंज से प्रकाशित।
सम्पादक–सिद्धनाथ द्विवेदी, आरएनआई नं. UPHIN/2007/22706 रजि.नं. AD-32/2008-09 ईमेलः amritkt.alld@gmail.com फोन नं. : 9453273951, 8799627062